राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार ,02 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-221 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तालिबान से नापाक रिश्तों के बाद भी पाक को झटका, कहा- कश्मीर में हम नहीं देंगे दखल

आज करीब 20 साल बाद बैगर किसी विदेशी ताकतों की मौजूदगी में अफगानिस्तान की सुबह हुई। इस बीच तालिबान ने पाकिस्तान की नापाक उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है और स्पष्ट किया कि वह कश्मीर में दखल नहीं देगा। साथ ही उसने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को भी स्पष्ट किया है।

काबुल। अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी पूरी तरह से हो गई है और इस तरह से 19 साल, 10 महीने और 25 दिन बाद यानी करीब 20 साल बाद एक बार फिर अफगानिस्तान पर तालिबान का पूरी तरह से कब्जा हो गया है। अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान खेमे में जश्न का माहौल है। आज करीब 20 साल बाद बैगर किसी विदेशी ताकतों की मौजूदगी में अफगानिस्तान की सुबह हुई। इस बीच तालिबान ने पाकिस्तान की नापाक उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है और स्पष्ट किया कि वह कश्मीर में दखल नहीं देगा। साथ ही उसने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को भी स्पष्ट किया है। बता दें कि अनस हक्कानी, हक्कानी नेटवर्क के संस्थापक जलालुद्दीन हक्कानी के सबसे छोटे बेटे हैं। सीएनएन-न्यू18 के साथ बातचीत में तालिबानी नेता अनस हक्कानी ने कहा कि हम कश्मीर के मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। जब अनस हक्कानी से सवाल किया गया- पाकिस्तान हक्कानी नेटवर्क के बेहद करीब है और वह कश्मीर में लगातार दखल दे रहा है। क्या आप भी पाकिस्तान को समर्थन देने के लिए कश्मीर में दखल देंगे?- इस पर उन्होंने कहा कि कश्मीर हमारे अधिकार क्षेत्र का हिस्सा नहीं है और हस्तक्षेप नीति के खिलाफ है। हम अपनी नीति के खिलाफ कैसे जा सकते हैं? इसलिए यह स्पष्ट है कि हम कश्मीर में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

● इस सवाल के जवाब में कि हक्कानी नेटवर्क पाकिस्तानी आईएसआई और पाक सेना के साथ करीबी से जुड़ा हुआ है। अब आप अफगानिस्तान सरकार का हिस्सा हैं। आपका उनसे क्या जुड़ाव होगा?, पर अनस ने कहा कि हमने बीस साल तक संघर्ष किया। हमारे बारे में बहुत सारे नकारात्मक प्रोपेगेंडा हैं और यह सब गलत है। हक्कानी नेटवर्क कुछ भी नहीं है। हम सबके लिए काम कर रहे हैं। दुनिया भर में और विशेष रूप से भारत में मीडिया हमारे बारे में नकारात्मक प्रचार कर रहा है।

क्या हक्कानी नेटवर्क, जैश और लश्कर को कश्मीर मसले पर समर्थन नहीं देगा, इस पर अनस हक्कानी ने कहा कि हम इस पर कई बार स्पष्ट कर चुके हैं और फिर से कह रहे हैं कि यह महज एक प्रोपेगेंडा है। भारत के साथ संबंधों पर उन्होंने कहा कि हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि कोई हमारे बारे में गलत सोचे। भारत ने 20 सालों तक हमारे दुश्मन की मदद की, मगरहम सब कुछ भूलकर रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

इस सवाल के जवाब में कि हक्कानी नेटवर्क पाकिस्तानी आईएसआई और पाक सेना के साथ करीबी से जुड़ा हुआ है। अब आप अफगानिस्तान सरकार का हिस्सा हैं। आपका उनसे क्या जुड़ाव होगा?, पर अनस ने कहा कि हमने बीस साल तक संघर्ष किया। हमारे बारे में बहुत सारे नकारात्मक प्रोपेगेंडा हैं और यह सब गलत है। हक्कानी नेटवर्क कुछ भी नहीं है। हम सबके लिए काम कर रहे हैं। दुनिया भर में और विशेष रूप से भारत में मीडिया हमारे बारे में नकारात्मक प्रचार कर रहा है। इससे माहौल खराब हो रहा है। युद्ध में कभी भी किसी पाकिस्तानी हथियार का इस्तेमाल नहीं किया गया था। ये आरोप गलत और निराधार हैं।

देश की आधी से ज्यादा आबादी के लिए कोरोना टीके की दो खुराक लेना जरूरी नहीं

नई दिल्ली। देश की आधी से ज्यादा आबादी के लिए कोरोना टीके की दो खुराक लेना जरूरी नहीं है। चिकित्सीय अध्ययनों के आधार पर विशेषज्ञ यही मान रहे हैं कि संक्रमण से ठीक होने वालों में एक खुराक ही काफी है। इन्हें जब तीन महीने बाद दूसरी खुराक दी जाती है तो शरीर में कोई बदलाव नहीं मिलता। मेडरेक्सिव मेडिकल जर्नल में प्रकाशन से पूर्व समीक्षात्मक सात अध्ययनों में यह निष्कर्ष है जिसे अब नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने भी स्वीकार किया है।

सीरो सर्वे में 67.6 फीसदी आबादी में मिली थी कोरोना से लड़ने वाली एंटीबॉडी

दरअसल आईसीएमआर ने चौथे सीरो सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला था कि देश की 67.6 फीसदी आबादी में कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी मिली हैं। यानी देश की आधी से अधिक आबादी दूसरी लहर में संक्रमित हुई और फिर ये कुछ समय बाद ठीक भी हो गए।

टीकाकरण कार्यक्रम में होने चाहिए बदलाव

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजीव जयदेवन का कहना है कि अब हमारे पास सबूत भी हैं और बड़े स्तर पर मरीजों की संख्या भी। ऐसे में सरकार को तत्काल टीकाकरण कार्यक्रम में बदलाव करते हुए टीके से पहले एंटीबॉडी जांच को अनिवार्य करना चाहिए। इससे टीकाकरण का न सिर्फ समय बचेगा, बल्कि राजस्व में भी बचत होगी।

कोविशील्ड-कोवाक्सिन पर समान नतीजे

एक कोवाक्सिन और दो कोविशील्ड टीके पर अध्ययन के अनुसार इन तीनों ही अध्ययन के परिणाम एक समान हैं कि जिन लोगों में पहले कोरोना हुआ उन्हें स्वस्थ होने के बाद एक खुराक ही असरदार है।

कोरोना की तीसरी लहर के संकेत

आईसीएमआर ने कहा- एक गांव, तहसील या पूरे जिले पर दिख सकता है खतरा

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की तीसरी लहर को लेकर संक्रामक रोग विशेषज्ञों और गणितीय मॉडल्स के विशेषज्ञों की अलग-अलग राय के बीच भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब दो से तीन महीने का इंतजार नहीं करना चाहिए कुछ जगहों से नई लहर के संकेत मिलने लगे हैं। यह जरूर है कि इस बार पूरे देश में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर जरूर कोरोना की तीसरी लहर देखने को मिल सकती है। यह क्षेत्रीय स्तर एक गांव, तहसील या फिर पूरा जिला भी हो सकता है।

केरल और मिजोरम में ज्यादा खतरा

आईसीएमआर के संक्रामक रोग प्रमुख डॉ. समीरन पांडा का कहना है, अगर दो सप्ताह तक किसी क्षेत्र में लगातार नए संक्रमण के मामलों में उछाल आ रहा है और अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है, तो यह नई लहर का सबसे बड़ा संकेत है। इस समय केरल के 14 जिलों में ऐसी ही कुछ स्थिति बनी हुई है लेकिन तीसरी लहर को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता क्योंकि यहां दूसरी लहर भी देरी से आई थी। केरल और मिजोरम दो ऐसे राज्य हैं जहां मामले बढ़ रहे हैं, और नई लहर के संकेत मिल रहे हैं। डॉ. समीरन पांडा का कहना है कि तीसरी लहर का दायरा लोगों के व्यवहार पर निर्भर करता है। देश में त्योहारों की शुरुआत हो चुकी है और लोगों की भीड़ संक्रमण को फैलने में मदद करती है। अगर त्योहारों में कोविड सतर्कता नियमों का पालन नहीं किया गया तो हमें कई सुपर स्प्रेडर मिल सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि दूसरी की तुलना में तीसरी लहर कमजोर होने की पूरी संभावना है। जिन राज्यों में दूसरी लहर के दौरान मामले कम आए थे उन्हें जल्द से जल्द टीकाकरण पूरा करना चाहिए, वहां नई लहर के गंभीर होने की आशंका अधिक है।

मानसून ने फिर दी दस्तक

मुंबई समेत कई इलाके जलमग्न, जलगांव में बिगड़े हालात

मुंबई। महाराष्ट्र में मानसून ने एक बार फिर से जोरदार दस्तक दी है। जिससे औरंगाबाद-कन्नड़-जलगांव का व्यापार मार्ग पूरी तरह से ठप हो गया है। सूबे के मराठवाड़ा से लेकर उत्तर महाराष्ट्र सहित कोंकण व मुंबई में भी बारिश शुरू हो गई है जिससे कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। जलगांव में लगातार बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। अधिकतर इलाके जलमग्न हैं और आम जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है।

औरंगाबाद-कन्नड़-जलगांव व्यापार मार्ग ठप-मुंबई और उत्तरी कोंकण के महानगरीय क्षेत्र पालघर, ठाणे व रायगढ़ जिले में मंगलवार की तड़के बारिश शुरू हुई जो दिनभर जारी रही। वहीं, उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव की चालीसगांव तहसील और मराठवाडा के औरंगाबाद की कन्नड़ तहसील में

भारी बारिश हुई। इससे नदियां और जलाशय उफान पर आ गए। औरंगाबाद जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 52 के एक पहाड़ी खंड औंतराम घाट पर मंगलवार तड़के भूस्खलन के कारण यातायात अवरुद्ध हो गया। इससे औरंगाबाद-चालीसगांव-धुले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि खंड पर से यातायात का मार्ग बदल दिया गया है और मलबा हटाने का काम चल रहा है। वहीं, मुंबई के साकी नाका इलाके में मंगलवार को भूस्खलन हुआ जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। बीएमसी के अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह पश्चिमी उपनगर में भारी बारिश के बीच मलाड के कुरार गांव में एक पहाड़ी से चट्टानों के गिरने के बाद 100 लोगों को वहां से निकाला गया।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने तरुण तेजपाल मामले की सुनवाई 20 सितंबर तक की स्थगित

दुष्कर्म का है आरोप

पणजी। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने पत्रकार तरुण तेजपाल को 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ गोवा सरकार की अपील पर सुनवाई मंगलवार को स्थगित कर दी। मामले में प्रत्यक्ष और डिजिटल दोनों तरह की सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष अनुरोध दाखिल होने तक सुनवाई स्थगित की गई है। अभी तक मामले में ऑनलाइन सुनवाई हो रही थी। बुधवार को पहली बार मामले में प्रत्यक्ष सुनवाई हुई। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 20 सितंबर की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान राज्य के महाधिवक्ता देवीदास पनगाम और तेजपाल के वकील ने न्यायमूर्ति एम एस सोनक और न्यायमूर्ति एम एस जवालकर की पीठ से समय मांगा। उन्होंने मामले में मिश्रित सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष अभी तक अपने आवेदन दाखिल नहीं किए हैं। पनगाम ने पीठ से मामले में सुनवाई दो सप्ताह और स्थगित करने का अनुरोध किया था, ताकि मुख्य न्यायाधीश के समक्ष आवेदन दाखिल किया जा सके। गोवा सरकार की ओर से भारत के सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने उस समय बंद कमरे में सुनवाई की तेजपाल की अपील का विरोध करते हुए कहा था, देश को यह जानने का हक है कि संस्था ने पीड़िता के मामले को किस तरह लिया। गौरतलब है कि एक सत्र अदालत ने इस साल 21 मई को तहलका पत्रिका के पूर्व प्रधान संपादक तेजपाल को यौन उत्पीड़न के एक मामले में बरी कर दिया था। तेजपाल पर नवंबर 2013 में गोवा के पांच-सितारा होटल की लिफ्ट में उस समय की अपनी एक सहकर्मी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। दोनों वहां एक कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे।

पंजाब-छत्तीसगढ़ ही नहीं, कश्मीर से कन्याकुमारी तक अंदरूनी कलह से जूझ रही कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पार्टी अंदरूनी कलह से जूझ रही है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पंजाब में पार्टी सरकार में है, पर पार्टी को जम्मू-कश्मीर, असम व केरल में भी नेताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इन राज्यों में अभी कई वर्षों तक कोई चुनाव नहीं हैं। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच झगड़ा बरकरार है। सिद्धू अपनी ही सरकार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। चुनाव से पहले झगड़ा खत्म करने की कोशिशों के तहत प्रदेश प्रभारी हरीश रावत चंडीगढ़ गए हैं। उधर, छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच विवाद बरकरार है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के बीच भी रिश्ते ठीक नहीं है। राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ में पार्टी सरकार में है, पर कांग्रेस के अंदर उन राज्यों में भी कलह बढ़ रही है, जहां कई साल तक कोई चुनाव नहीं है। केरल में पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया से दूर रखे जाने से नाराज हैं। वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला भी पसंदीदा जिला अध्यक्ष नहीं बनाने से खफा हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता के मुताबिक, हर प्रदेश में अंदरूनी कलह की बड़ी वजह पार्टी नेतृत्व का कमजोर होना है। एक के बाद एक चुनावी हार से संगठन के अंदर पार्टी नेतृत्व की पकड़ कम हुई है। ऐसे में पार्टी नेतृत्व को सख्ती के साथ इस कलह से निपटना होगा। पार्टी सख्त निर्णय नहीं लेती है, तो हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा के बीच झगड़ा वक्त के साथ बढ़ता रहेगा। महाराष्ट्र में भी पार्टी के कई नेता नाराज हैं। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले का बढ़ता कद पसंद नहीं है। कर्नाटक में वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया और शिवकुमार भाजपा की राज्य सरकार से लड़ने के बजाए आपस में लड़ रहे हैं। असम में भी सब कुछ ठीक नहीं है। चुनाव में हार के बावजूद पार्टी नेताओं में गुटबाजी हावी है। कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं।

प्रदूषण की वजह से दिल्ली में 9 साल से ज्यादा कम हो जाएगी उम्र

यूपी और बिहार में भी प्रदूषण से कम हो रही आयु

नई दिल्ली। भारत में प्रदूषण की स्थिति दिन-ब-दिन विकराल होती जा रही है। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार भारत की एक चौथाई आबादी प्रदूषण के जिस स्तर का सामना कर रही है वैसा कोई अन्य मुल्क नहीं कर रहा। हालांकि बीते कुछ सालों में सुधार हुए हैं। इसे त्वरित गति देने की आवश्यकता है। रिपोर्ट कहती है कि प्रदूषण के खौफनाक असर की वजह से देश के कई हिस्सों में लोगों की उम्र नौ साल तक कम हो सकती है।

शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार अगर प्रदूषण ऐसा ही रहा तो दिल्ली में 9.7 साल तक उम्र कम हो जाएगी। वहीं उत्तर प्रदेश में खराब प्रदूषण से 9.5 वर्ष आयु कम हो जाएगी। बिहार में जहां इसकी वजह से 8.8 साल आयु कम हो सकती है तो हरियाणा और झारखंड में लोगों की आयु पर क्रमशः 8.4 साल और 7.3 साल तक असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट कहती है कि दक्षिण एशिया में एक्यूएलआई आंकड़ा बताता है कि अगर प्रदूषण को डब्लूएचओ निर्देशावली के अनुसार घटा दिया जाए तो औसत व्यक्ति की आयु 5 वर्ष से अधिक बढ़ जाएगी। स्वच्छ वायु नीतियों का फायदा उत्तर भारत जैसे

प्रदूषण के हॉटस्पॉट्स वाले क्षेत्रों में कहीं अधिक मिलेगा। अभी भारत में 480 मिलियन लोग जिस वायु में सांस लेते हैं, उसका प्रदूषण स्तर विश्व के किसी भी इलाके प्रदूषण स्तर से दस गुना अधिक है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का ऐसा है हाल

रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण का यही स्तर बरकरार रहा तो आंध्र प्रदेश में 3.3 साल, असम में 3.8 साल, चंडीगढ़ में 5.4 साल, छत्तीसगढ़ में 5.4 साल, झारखंड में 7.3 साल, गुजरात में 4.4 साल, मध्य प्रदेश में 5.92 साल, मेघालय में 3.65 साल,त्रिपुरा में 4.17 साल और पश्चिम बंगाल में 6.73 साल उम्र कम हो सकती है।

भारत समेत दक्षिण एशिया के इन देशों में भयावह प्रदूषण

एक्यूआई की नई रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया में पृथ्वी के सर्वाधिक प्रदूषित देश- बांग्लादेश, भारत, नेपाल और पाकिस्तान हैं जिनमें विश्व की जनसंख्या की करीब एक चौथाई हिस्सा निवास करती है। ये देश लगातार विश्व की सर्वाधिक प्रदूषित पांच शीर्ष देशों में बने हुए हैं। एक्यूएलआई के अनुसार, समूचे उत्तर भारत में इसका प्रभाव कहीं अधिक आंका गया है, इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण का स्तर विश्व में सबसे उच्चतम स्तर पर है। अगर प्रदूषण की सांद्रता 2019 के स्तर पर बनी रही तो इस क्षेत्र जिसमें दिल्ली और कोलकाता जैसे विशाल महानगर शामिल है, के निवासियों की जीवन-प्रत्याशा में 9 वर्षों से अधिक की कमी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पीछे ले जाने वाला विचार

काबुल में तालिबान के काबिज होने के साथ अफगानी बच्चियों और औरतों के भविष्य को लेकर जब पूरी दुनिया चिंता में डूबी हुई है, तब भारत में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सदर अरशद मदनी का यह बयान कि लड़कियों और लड़कों की शिक्षा अलग-अलग होनी चाहिए, एक प्रतिगामी विचार तो है ही, भारतीय संविधान की मूल भावना के भी खिलाफ है। कोई भी तरक्कीपसंद हिन्दुस्तानी उनकी इस राय को सिरे से खारिज ही करेगा। इसलिए केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मदनी को मुनासिब याद दिलाया है कि भारत शरीयत से नहीं, बल्कि संविधान से संचालित एक जम्हूरी मुल्क है, और भारतीय संविधान ने अपनी बेटियों को बेटों के बराबर सांविधानिक अधिकार दिए हैं। एक नागरिक के तौर पर अपने बेहतर भविष्य के लिए वे हर वह फैसला कर सकती हैं, जो इस देश के लड़कों को हासिल है। और इस लैंगिक बराबरी की राह में जो कुछ रुकावटें बाकी भी हैं, उन्हें देश की आला अदालत अपने फैसलों से दूर कर रही है। अरशद मदनी ने कहा है कि लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग स्कूल-कॉलेज खोले जाने चाहिए। देश में लड़कियों के लिए अलग स्कूल भी हैं व कॉलेज भी, और इनका स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में काफी अहम योगदान भी रहा है। निस्संदेह, इनकी स्थापना के पीछे कभी यह सोच रही हो कि चूंकि कई माता-पिता अपनी बच्चियों को सहशिक्षा केंद्रों में नहीं भेजना चाहते, इसलिए उन्हें शिक्षा के अवसर से वंचित न होना पड़े। पर मदनी शायद भूल गए कि उन स्कूलों-कॉलेजों से लड़कियों की कई पीढ़ियां निकल चुकी हैं। 21वीं सदी के भारतीय समाज ने सोच के स्तर पर भी लंबा सफर तय कर लिया है। देश के सभी वर्गों की बेटियां आज मुख्यधारा में शामिल हो तरक्की की नई-नई इबारतें लिख रही हैं। कई इस्लामी मुल्कों में भी सहशिक्षा की व्यवस्था है, और वह बाकायदा चल रही है। आने वाले दौर की जरूरतों और तेजी से बदलती दुनिया के मद्देनजर अरब देशों को औरतों पर लगी पाबंदियां आहिस्ता-आहिस्ता उठानी पड़ रही हैं। कतर जैसे देश में तो लड़कियों को खेल-कूद तक में बराबरी का हक मिलने लगा है। वहां लड़के-लड़कियों की साक्षरता-दर में मामूली सा फर्क रह गया है। ऐसे में, बोसीदा ख्यालों को अब मुस्लिम समाज से भी बहुत समर्थन नहीं मिल सकता। तीन तलाक के मसले पर देश ने देखा है कि किस कदर महिलाओं ने नए कानून का स्वागत किया। इन बदलावों को देखते हुए भी मजहबी इदारों में बैठे लोगों को अतार्किक बातों से परहेज करना चाहिए। बल्कि उनसे उम्मीद की जाती है कि तंग दायरों से निकल वे समाज का मार्गदर्शन करें। यह समस्या सिर्फ एक धर्म, बिरादरी या स्कूल की नहीं है। लगभग सभी धर्मों, बिरादरियों में ऐसे लोग मौजूद हैं, जो औरतों को खुदमुख्तारी देने को लेकर उदार नजरिया नहीं रखते। हिफाजत, मर्यादा, गरिमा, आबरू जैसे शब्दाडंबरों के नीचे उनकी अपनी मरजी को दबा देना चाहते हैं। मगर भारतीय स्त्रियों का यह सौभाग्य है कि देश के नव-निर्माताओं ने आजादी के साथ ही बराबरी के उनके हक पर सांविधानिक मुहर लगा दी। यकीनन, उन्हें सामाजिक बराबरी के लिए अब भी लड़ना पड़ रहा है, पर इस लड़ाई में उनका संविधान उनके साथ खड़ा है। इसलिए उन्हें मदनी जैसे ख्यालों से चिंतित होने की जरूरत नहीं।

'आज के ट्वीट

विकास की धारा

पिछली सरकार में विकास को जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद खा जाता था। आज विकास की धारा हर गरीब तक प्रवाहित हो रही है। जनता द्वारा जब अच्छी सरकारें चुनी जाती हैं तो शासन की योजनाओं का लाभ हर गरीब, हर गांव को बिना किसी भेदभाव के प्राप्त होता है। -- मु. योगी आदित्यनाथ

आधुनिक खेती और प्रदूषित होती धरती का मर्म

– ऋतुपर्ण दवे

चकमक पत्थरों से आग पैदा करने से लेकर आज माइक्रोवेव ऑवन के दौर तक का सफर बेहद रोमांचक और यादगार है। पाषाण युग में जीव, वनस्पतियों को पहले कच्चा खाकर पेट भरना बाद में पकाकर खाना सीखना भी मानव सभ्यता की सिलसिलेवार कहानी है। यह विकास यात्रा जितनी रोचक है उतनी ही विस्तृत और कुछ यूँ कि कितना भी लिखा जाए या शोध किया जाए, कभी खत्म नहीं होने वाली सत्यकथा। चूल्हे में पकाए भोजन का स्वाद, उसका जो महत्व था अब भी जस का तस है। चूल्हा पके भोजन व शुध्द प्राकृतिक उपज का अटूट संबंध भी है। इसके पीछे का मर्म कहें या संदेश साफ है कि शुध्द प्राकृतिक वातावरण वनस्पतियों को भी चाहिए। मानव व वनस्पति दोनों की जननी भूमि, हमारे स्वास्थ्य व समृध्दि के लिए वरदान है। यही प्रकृति शारीरिक विकृतियों, बीमारियों से बचाव का साधन भी है जिसे समझना होगा। यही वजह है कि अत्याधुनिक इस दौर में एक बार फिर प्राकृतिक और अब नया नाम ऑर्गेनिक खेती खूब चर्चाओं में है। अरबों साल पुरानी धरती पर मानव जीवन 50 से 75 लाख साल पुराना माना जाता है। अध्ययनों और शोधों से भी पता चलता है कि मनुष्य ने कृषि में कई तरह के विकास पूर्व पाषाण युग में किए जो कि आधुनिक काल से 20-25 लाख साल पूर्व से शुरू होकर 12 हजार साल पूर्व तक माने जाते हैं। यानी यह वह दौर था जब कृषि का महत्व बढ़ता ही गया। विकास और सीखने के दौर में खेती केवल पत्थरों के औजारों से निकलकर हल-बैल, बक्खर से होते हुए रहट, तालाब, नहर, ट्रैक्टर, पॉवर ट्रिलर, बिजली के पंप यहां तक कि हरित ऊर्जा यानी सोलर पॉवर तक न केवल आ पहुँची बल्कि अहम होने लगी। दुनिया की अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में खेती-किसानी भी शुमार होने लगी। भारतीय कृषि के संदर्भ में देखें तो रसायनिक खादों से पहले अरंडी, नीम, मूँगफली, सरसों आदि की खली की खाद, हड्डी का चूरा, सनई और मूँग की हरी और सूखी पत्तियों की खाद, बर्मी कम्पोस्ट का खूब चलन था। यह तब की विशुध्द प्राकृतिक खेती का दौर कहा जा सकता है। सच है कि भारतीय किसान 1960 से पहले यूरिया नहीं जानते थे। मवेशियों के मल से तैयार जैविक खाद और पारम्परिक कृषि पर ज्या दा निर्भरता थी। लेकिन तभी यह मिथक बढ़ा कि प्राकृतिक खादों से फसल का उत्पादन नहीं बढ़ता है। इसी बीच कृषि को अघोषित रूप से ही सही बड़ा इकोनॉमी सेक्टर मान लिया गया और पूरी दुनिया में उत्पादन पर बढ़ावा जैसे शोध और नित नई तकनीकी के प्रयोगों का दौर चल पड़ा। हर रोज खेती एक नए और परिवर्तित रूप में दिखने लगी। रसायनों के साथ हारवेस्टर, थ्रेसर और नए उपकरणों के चलते पैदावार बढ़ाने की तकनीकों के बीच धरती की सेहत का ध्यान ही नहीं रहा। बढ़ती जनसँख्या और खाद्यान्नों की जरूरतों के बीच उत्पादन की होड़ में यह भी ध्यान नहीं रहा कि जमीन पर रसायनों का कैसा दुष्प्रभाव हो रहा है? सच तो यह है कि इस बारे में ईमानदारी से सोचा ही नहीं गया। तभी हरित क्रान्ति का दौर जो आया तथा यूरिया और तमाम रासायनिक उर्वरकों ने देखते ही देखते दुनिया भर में खेती के तौर तरीके ही बदल दिए। यूरिया के परिणामों से फसल तो लहलहा उठी। लेकिन जल्द ही भोजन में आवश्यक तत्वों की कमी और शरीर के लिए घातक तत्वों की अधिकता के साथ ही रसायनों के लगातार उपयोग ने जमीन की उर्वरता पर जो असर दिखाए उसने नई बहस और चिन्ता को जन्म दे दिया। खेत बंजर होने लगे तो समझ आया कि रसायनिक उर्वरक अबतक उपजाऊ रही जमीन को किस कदर खराब कर देते हैं। यह अब सबकी समझ में आने लगा है। शायद यही वजह भी है कि समूची दुनिया में एकबार फिर प्राकृतिक खेती पर बहस छिड़ गई है। दरअसल खेती एक स्वत: प्रकृति जनित प्राकृतिक प्रक्रिया है। अज्ञानता कहें या उपज की हवस जो भी उसी के फेर में प्राकृतिक रूप से उपजाऊ जमीन का हमने बेहरमीं से मिजाज ही बदल डाला। शुरू में तो जरूर भरपूर बल्कि कहें इफरात पैदावार हुई। जिससे कोठियाँ और तिजोरियाँ भी खूब भरी गईं। लेकिन जल्द ही उपज के गुण-दोष असर दिखाने लगे। बारीकी से परखने पर पता चला कि रसायनिक उर्वरकों से उपजे अन्न से शरीर की जरूरत के मुताबिक पोषण तो नहीं मिला उल्टा नुकसान दिखने लगा। शायद आहार में मौजूद तत्वों के बदले संतुलन ने स्वास्थ्य पर जहाँ असर दिखाया वहीं कृषि भूमि का खतरनाक मिजाज भी समझ आने लगा। इसी से सबका झुकाव फिर प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ा नतीजतन के इसके तौर तरीके चर्चाओं में आए और इनकी उपज की माँग बेतहाशा बढ़ने लगी। इन्हीं में एक जीरो बजट नेचुरल फॉर्मिंग है जिसमें बिना निंदाई, जुताई, गुड़ाई की खेती की तरह-तरह की कला से नई उम्मीद जगी कि जल्द ही दुनिया में एक बदलाव तय है वह यह कि हम भोजन की प्राकृतिक शुध्दता को फिर से पा सकेंगे। आँध्र प्रदेश पहला राज्य है जिसने 2015 में ही जीरो बजट खेती की और 2024 तक इसे गाँव-गाँव तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा। हिमाचल प्रदेश में तो 2022 तक पूरे राज्य को प्राकृतिक खेती में तब्दील करने की ठान रखी है। भारत में प्राकृतिक खेती पर कई नाम अपने आप में ब्रॉन्ड बनते जा रहे हैं। सभी बढ़ावा देने का काम कर एक तरह से पूरे देश में नई क्रान्ति लाने की दिशा में तत्पर हैं। इनमें महाराष्ट्र के कृषि वैज्ञानिक सुभाष पालेकर को भारत में इसका सूत्रधार कहा जा सकता है। जिन्हें जंगलों से प्रेरणा मिली कि बिना खाद और इंसानी मदद के कैसे हरे-भरे हैं। बस यहीं से उन्होंने नया सूत्रपात किया। जब बिना खाद जंगल पनप सकते हैं तो हम अपने खेत में उपज क्यों नहीं ले सकते? कई पुस्तकों के लेखक पालेकर ने 15 वर्ष तक कई शोध किए। आज वह दुनिया भर में प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण दे रहे हैं। उत्तराखण्ड के एक गाँव लावली के युवा दम्पत्ति वन्दना और त्रिभुवन जो मुँबई में फैशन इण्डस्ट्री से जुड़े थे अपनी मासूम बच्ची को खोने के बाद प्रकृति से जुड़ने वापस गाँव लौटे और प्राकृतिक खेती में जुट गए। वहाँ लीज पर जमीन लेकर खेती शुरू की। आज वह पूरे क्षेत्र के लिए मिसाल हैं। मौसम के हिसाब से खेती में न केवल खुद महारत हासिल की बल्कि पूरे गाँव की तकदीर बदलने की भी ठान ली। उन्होंने पहाड़ों पर फसल लहलहा कर नया उदाहरण पेश किया। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्राजील जैसे देश भी तेजी से प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। भारत में भी गंगा के कछारों में तेजी से प्राकृतिक खेती का चलन बढ़ा है जो अच्छा संकेत है। बीते दिसंबर में मुझे होशंगाबाद में प्राकृतिक खेती करने में महारत हासिल कर चुके राजू टाइटस के फॉर्म हाउस जाने का मौका मिला जिन्हें 'ऋषि खेती' के प्रति समर्पित होकर बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। आप जापान के मासानोब फुकुओका से प्रभावित थे जो एक किसान व दुनिया को प्राकृतिक कृषि दर्शन के जनक और असल प्रस्तावक हैं। इनकी पुस्तक 'वन स्ट्रॉ रिवोल्यूशन' यानी एक तिनके से आई क्रान्ति काफी चर्चित है। फुकुओका खुद होशंगाबाद आकर टाइटस के खेती के तरीकों को सराह चुके हैं। 30-35 वर्षों से बिना निंदाई, गुड़ाई, जुताई के खेती करके सालाना लाखों रुपए कमाए वह भी बिना बाजारू खाद, बिना कीटनाशक का प्रयोग किए। 2018 में राजू टाइटस की मृत्यु के बाद इस फॉर्म हाउस को उनके बेटे मधु टाइटस उसी तर्ज पर आगे बढ़ा रहे हैं। मधु बताते हैं कि इस पध्दति में खर्च नाम मात्र का है। वह खेत की नम व सतही चिकनी मिट्टी को इकट्ठा कर उसमें बीज लपेटते हैं फिर सुखाते हैं। तैयार फसल के कटने से 15 दिन पहले जमीन पर बस फेंक देते हैं जो फसल कटते समय दब जाता है।

ज्ञान गंगा

ब्रह्मचर्य

जग्गी वासुदेव

ब्रह्मचर्य का अर्थ है एक मंद पवन, बयार की तरह होना --इसका मतलब है कि आप कहीं पर भी, ठहरते नहीं हैं। हवा हर जगह जाती है लेकिन हम नहीं जानते कि इस समय ये कहां से आ रही है? इसने अभी समुद्र को पार किया और यहां आई। ये अभी यहां है और अब आगे बह रही है। ब्रह्मचर्य का अर्थ है, बस जीवन होना--वैसे जीना जैसे आप जन्में थे--अकेले! अगर आप की मां ने जुड़वां बच्चों को भी जन्म दिया था, तो भी आप तो अकेले ही आए थे। ब्रह्मचर्य का अर्थ है--दिव्यता से अत्यंत निकटता से जुड़ना, और वैसे ही जीना। ब्रह्मचर्य कोई महान कदम नहीं है। यह तो बस वैसे ही रहना है, जैसे जीवन है। शादी, विवाह एक बड़ा कदम है -- आप कुछ बहुत बड़ा करने का प्रयत्न कर रहे हैं। कम से कम लोगों को तो ऐसा ही लगता है। ब्रह्मचर्य का अर्थ है, आप ने कुछ नहीं किया, अपने जीवन को आप ने वैसे ही घटित होने दिया जैसे रचनाकार ने आप को बनाया--आप इसमें से कुछ और नहीं बनाते। तो इसमें कोई कदम नहीं उठाना है। अगर आप कुछ नहीं करते तो आप ब्रह्मचारी हैं। लेकिन इसके लिए साधना है, अभ्यास है, अनुशासन है, वो सब किसलिए हैं? ये सब आप को बस, वैसे ही रहने में मदद करने के लिए हैं। इसका कारण यह है कि आप ने इस पृथ्वी से बहुत कुछ लिया है, तो पृथ्वी के बहुत से गुण आप में आ जाते हैं और आप पर अधिकार जमाते हैं। एक मूल गुण यह है कि जब आप पृथ्वी को शरीर के रूप में उठा लेते हैं तो उसमें एक चीज आती है जड़ता! सुबह उठने पर भी जड़ता का अनुभव होता है (आप उठना नहीं चाहते)। अगर आप दिव्यता के पथ पर बढ़ना चाहते हैं तो यह जरूरी है कि आप पृथ्वी के गुणों के आगे न झुकें। एक बात जड़ता है, तो दूसरी है मजबूरीवश चलना। अगर आप पृथ्वी को शरीर के रूप में उठा लेते हैं तो आप पृथ्वी जैसे हो जाते हैं। यह आप को गोलाकार चक्करों में ले जाती है। चक्रीय गति हर उस चीज का मूल आधार है जिसे ब्रह्माण्ड में भौतिक कहते हैं। आप अगर एक गोल चक्र में घूमते हैं, चाहे वह कितना भी बड़ा हो, आप हमेशा वापस आते हैं, चाहे कोई आप को वापस न बुलाए। हमें नहीं पता कि ये दुनिया आप का यहां होना पसंद करती है या नहीं, लेकिन आप किसी भी तरह से वापस आ ही जाएंगे, क्योंकि आप एक गोल चक्र में हैं।

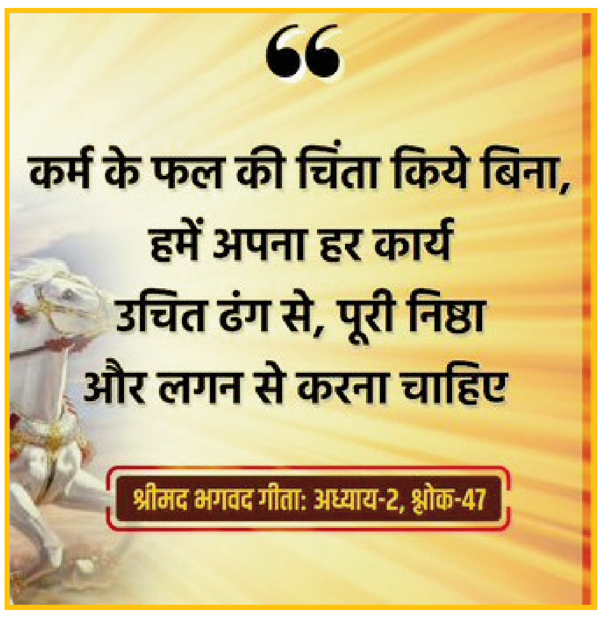

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के मायने

– प्रमोद भार्गव

ताकतवर अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से एकाएक वापसी के फैसले से दुनिया हैरान है। पूर्ण रूप से सेना की वापसी के बाद अफगानिस्तान में घटनाक्रम किस तरह की करवटें लेगा, इस प्रश्न का उत्तर अंतरराष्ट्रीय सामरिक व कूटनीतिज्ञ जानकारों के पास भी नहीं है। परंतु अब अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के सांसद जिम बैंक्स के बयान के बाद इस पहेली पर पड़ी धूल छंटती दिख रही है। दरअसल यह सवाल पूरी दुनिया में उठ रहा है कि क्या अमेरिका व मित्र राष्ट्रों की सेनाएं इतनी कमजोर हैं कि लोकतंत्र व मानवता विरोधी तालिबान के समक्ष घुटने टेक दें? इस पृष्ठभूमि में अब समझ आ रहा है कि अमेरिका के जो बाइडेन के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक सरकार का यह सब किया-धरा है। आशंका जताई जा रही है कि जिस चीन के साथ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरपार की लड़ाई लड़ने की ठान ली थी, उसी के समर्थक तालिबानियों के समक्ष बाइडेन एकाएक झुक गए ? क्या चीन और बाइडेन ने वामपंथी वैचारिक मत समर्थन के चलते ऐसा किया ? और फिर एकाएक फौज को अफगान से वापस बुलाने की घोषणा कर दी ? हालांकि अमेरिकी सेना की वापसी का तालिबान से समझौता कतर की राजधानी दोहा में फरवरी 2020 में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में ही हुआ था। लेकिन ट्रंप ने तालिबान के इस दावे को मानने से इनकार कर दिया था कि वह अफगानिस्तान का इस्लामिक आका है। ट्रंप आनन-फानन में हथियारों का जखीरा अफगान की धरती पर ही छोड़कर सेना वापसी के पक्ष में भी नहीं थे। इस वजह का खुलासा अब अमेरिका की विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन करने लगी है। पार्टी के सांसद जिम बैंक्स ने कहा है कि बाइडेन सरकार की जल्दबाजी की वजह से तालिबानियों को अफगानिस्तान में बड़ी ताकत मिल गई है। तालिबान के हाथ 85 बिलियन डॉलर के अमेरिकी सेना के अस्त्र-शस्त्र लग गए हैं। इनमें 75 हजार सैनिकों को ढोने वाले वाहन, 200 से ज्यादा विमान और हॉक हेलिकॉप्टर, 6 लाख लघु व मझौले हथियार और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद शामिल हैं। यह ताकत इतनी बड़ी है कि तालिबानियों के पास दुनिया के 85 प्रतिशत देशों से कहीं ज्यादा ब्लैक हॉक लड़ाकू हेलिकॉप्टर आ गए हैं। इस हवाई ताकत से तालिबानी पगलाकर कहीं भी कहर ढा सकते हैं। इनमें नाइट डिवाइस और बुलेटप्रूफ जैकेट भी हैं। तालिबान के हाथ वे बायोमेट्रिक लैपटॉप व कंप्युटर भी आ गए हैं, जिनमें अमेरिका की मदद करने वाले अफगानियों के नाम व पते दर्ज हैं। साफ है, तालिबानी इन लोगों से चुन-चुनकर क्रूर बदला लेंगे ? अमेरिकी सेना के पूर्व सलाहकार जोनाथन स्क्रोडन का कहना है कि लड़ाकू विमानों और हेलिकॉप्टरों पर कब्जा कर लेना तो आसान है, लेकिन इनका इस्तेमाल कठिन है। क्योंकि इन्हें उड़ाने के लिए पूरी एक प्रशिक्षित टीम की जरूरत पड़ती है। उड़ान भरने के बाद इनमें सुधार की भी जरूरत होती है। इनकी देखभाल के लिए निजी ठेकेदार थे, जो अफगान के तालिबान के कब्जे में आने से पहले ही लौट आए हैं। फिर भी खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता है। अलबत्ता एक शंका यह भी उठ रही है कि आतंकियों के हाथ जो हथियार आए हैं, उनकी वे कालाबजारी भी कर सकते हैं। तालिबान बदला हुआ दिखाने का दावा भले ही कर रहा हो, लेकिन उसके साथ जो अन्य आतंकी संगठन हैं, उनसे दूरी बनाना मुश्किल है। यही वजह है कि तत्काल 5 लाख से भी ज्यादा अफगानी जान जोखिम में डालकर देश छोड़ने को तैयार हैं। क्योंकि इन्हें अपना भविष्य अनिश्चितता के अंधकार में डूबा लग रहा है।

बावजूद तालिबानी इन हथियारों को पाकर इसलिए मजबूत लग रहे हैं, क्योंकि जो 80 हजार अफगानी सैनिक तालिबानियों के सामने समर्पण कर चुके हैं, उनमें से कुछ इन हथियारों व हेलिकॉप्टरों को चलाने में अमेरिकी प्रशिक्षकों द्वारा दक्ष कर दिए गए हैं। धर्म व नस्लीय एकरूपता के चलते ये तालिबान के साथ खड़े हो गए हैं। जिम बैंक्स का बयान इसलिए भी तार्किक है, क्योंकि बाइडेन चुनाव-प्रचार के दौरान कहते रहे हैं कि वे चीन से तनावपूर्ण संबंध नहीं रखेंगे। जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने चीन द्वारा कोविड-19 वायरस के कृत्रिम रूप में सृजन की आशंकाओं के चलते अनेक प्रतिबंध लगा दिए थे। इस आशंका की पुष्टि अमेरिका द्वारा की गई उस एअर स्ट्राइक से भी हुई है, जिसके चलते आईएस-खुरासान गुट के उस चरमपंथी को मार दिया है, जिसने काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती हमले की साजिश रची थी। अमेरिकी सेना के मुख्यालय पेंटागन ने यह दावा किया है। यहां सवाल उठ रहा है कि अमेरिका ने आखिरकार इसी हवाई अड्डे और अन्य हवाई अड्डों पर खड़े हॉक हेलिकॉप्टरों पर हमला करके उन्हें नष्ट क्यों नहीं किया ? कालांतर में यही हेलिकॉप्टर तालिबानियों की हवाई ताकत बन सकते हैं ? इस मकसद के पीछे यह कूटनीतिक मंशा जताई जा रही है कि तालिबान को बाइडेन सरकार इतनी ताकत दे देना चाहती है, जिससे रूस और तुर्की जैसे देश भयभीत रहें।

दरअसल चीन ने इस्लामिक ईस्ट तुर्किस्तान मूवमेंट को आतंकी संगठन का दर्जा दिया हुआ है। इस कारण तुर्की और चीन में दूरी बनी हुई है। वैसे तालिबानियों को इन हथियारों के इस्तेमाल के लिए किसी नैतिक कारण की जरूरत नहीं है। अलबत्ता बाइडेन भारत के ट्रंप की तरह शुभचिंतक नहीं हो सकते, इस लिहाज से एक आशंका यह भी है कि तालिबान यदि अपने मददगार पाकिस्तान के जरिए इन हथियारों का उपयोग भारत के खिलाफ करता है तो भारत को अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका से हथियार खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा ? यानी बाइडेन दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहते हैं। वैसे भी अमेरिका समेत सभी पश्चिमी देश अपने हितों के लिए दोतरफा चालें चलने में कोई गुरेज नहीं करते। यह तथ्य इस बात से प्रमाणित होता है कि जो पाकिस्तान तालिबान को पालकर ताकतवर बना रहा था, उसे अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों ने कभी दंडित नहीं किया। जबकि पाकिस्तान दुनिया में आतंकी हमलों के लिए तालिबान समेत तमाम आतंकी शिविरों में प्रशिक्षित आतंकी उपलब्ध कराता रहा है। अमेरिका में 19/11 के आतंकी हमले के दोषी ओसामा बिन लादेन को शरण पाकिस्तान ने एबटावाद ही दी हुई थी। अमेरिका ने यहीं उसे ढेर किया था। एकाएक अमेरिकी फौजों के हटने के साथ ही, तालिबानियों के अफगानी सत्ता पर काबिज होने के मंसूबे पूरे हो गए। चीन भी तालिबानियों के समर्थन में इसलिए आ खड़ा हुआ है, क्योंकि वह अफगानिस्तान की धरती में समाए खनिजों का दोहन करने की मंशा पाले हुए हैं। इसीलिए इस घटनाक्रम की शुरूआत से ही चीन तालिबान के उत्साहवर्धन में लगा है। दरअसल कुटिल चीन की भूमि की एक पट्टी चीन को अफगानिस्तान की सीमा से जोड़ती है। चीन जिस देश की भी मदद करता है, उसके आर्थिक और खनिज दोहन के लिए कुख्यात है। अफगान की इस धरती के ऊपर शुष्क मेवा और नीचे खनिजों के भंडार हैं। इन खनिजों के उत्खनन की प्रौद्योगिकी अफगान के पास नहीं है। लिहाजा कथित तालिबानी सरकार को देश की माली हालत बहाल रखनी है तो खनिजों का उत्खनन जरूरी है।

इन खनिजों से चीन कोरोना के चलते उद्योगों की सुस्त हुई चाल को गति दे सकता है। चीन की एशिया को जोड़ने वाला बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट को भी इस धरती से गुजरना है। गोया, चीन का तालिबान के पक्ष में नरम व मददगार रुख फलदायी साबित हो सकता है। लेकिन चीन जिस तरह की चालाकियां बरतने का आदी है, उस परिप्रेक्ष्य में नहीं लगता कि दोनों का तालमेल लंबे समय तक चलेगा ? अतएव अफगानिस्तान से सेनाओं की जिस तरह से जल्दबाजी में जो निर्णय किया गया है, उसमें जिम बैंक्स और अन्य जानकार वामपंथी हित और हरकतों की शंका देख रहे है, तो वर्तमान परिस्थितियों में वह व्यर्थ नहीं है।

सैमसंग ने गैलेक्सी वॉच4 और गैलेक्सी वॉच4 क्लासिक के लिए वॉकी टॉकी ऐप किया लॉन्च

नई दिल्ली। सैमसंग ने अपने गैलेक्सी वॉच4 और गैलेक्सी वॉच4 क्लासिक के लिए एक नया वॉकी टॉकी ऐप लॉन्च किया है। नया ऐप वॉच मालिकों को ऐप्पल वॉच के समान पहनने योग्य घड़ी का उपयोग करके एक-दूसरे के साथ पुश-टू-टॉक बातचीत करने की अनुमति देगा। एंड्रॉइड सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक, ऐप ब्लूटूथ का उपयोग आस-पास के दोस्तों को खोजने और अपना वॉकी-टॉकी चैनल बनाने के लिए करता है। ऐप्पल के अपने ऐप्पल वॉच ऐप के समान, सैमसंग का वॉकी-टॉकी ऐप यूजर्स को तुरंत बातचीत करने की अनुमति देगा, जैसे कि वे वॉकी-टॉकी का उपयोग कर रहे हों। वर्तमान में, केवल सैमसंग गैलेक्सी वॉच के लोग ही इसका उपयोग एक दूसरे से बात करने के लिए कर सकते हैं। गैगैलेक्सी वॉच4और गैलेक्सी वॉच4क्लासिक,गूगल के साथ संयुक्त रूप से बनाए गए नए वीयर ओएस को पेश करने वाली पहली स्मार्टवॉच हैं। डिवाइस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यूजर्स को चलते-फिरते, काम पर या घर पर अपने सकुर्लेशन चेक कर सकते है। गैलेक्सी वॉच4 सैमसंग के अभूतपूर्व बायो-एक्टिव सेंसर से लैस है। यह नया 3-इन-1 सेंसर तीन शक्तिशाली स्वास्थ्य सेंसर - ऑप्टिकल हार्ट रेट, इलेक्ट्रिकल हार्ट और बायोइलेक्ट्रिकल इम्पीडेंस एनालिसिस - को ठीक से चलाने के लिए सिंगल चिप का उपयोग करता है, ताकि उपयोगकर्ता अपने रक्तचाप की निगरानी कर सकें।

एसबीआई ने एटी1 बॉन्ड के जरिए जुटाए 4 हजार करोड़ रुपये

मुंबई। ऋण देने वाले प्रमुख भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को 7.72 प्रतिशत की कूपन दर पर बेसल कंप्लेंट एडिशनल टियर 1 (एटी1) बॉन्ड के माध्यम से 4,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। सेबी के नए नियम लागू होने के बाद घरेलू बाजार में यह पहला एटी1 बॉन्ड जारी है। ये नियम तब आए हैं, जब नियामक ने ऐसे बॉन्ड में एमएफ निवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है जो बैंकों के बीच फंड जुटाने के लिए सबसे लोकप्रिय हैं। एसबीआई ने कहा, इस मुद्दे को निवेशकों से भारी प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 1,000 करोड़ रुपये के बेस इश्यू साइज के मुकाबले 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां मिलीं, जो देश के सबसे बड़े बैंक पर निवेशकों के भरोसे का एक संकेतक है। यह भी बहुत स्पष्ट रूप से ऐसे उपकरणों के लिए जारीकर्ताओं के चयन में भारतीय निवेशकों की परिपक्वता को दर्शाता है। 2013 में बेसल 3 पूंजी नियमों के लागू होने के बाद से किसी भी भारतीय बैंक द्वारा जारी किए गए इस तरह के ऋण पर यह अब तक का सबसे कम मूल्य निर्धारण है। एटी 1 उपकरण प्रकृति में स्थायी है, हालांकि, इसे जारीकर्ता द्वारा पांच साल या उसके बाद किसी भी वर्षगांठ की तारीख के बाद वापस बुलाया जा सकता है।

सेबी ने 8 कंपनियों पर लगाया 40 लाख रुपए का जुर्माना

बिजनेस डेस्क (एजेंसी):

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बीएसई में कम खरीद-फरोख्त वाले शेयर विकल्पों में गैर-प्रामाणिक कारोबार में लिप्त रहने के चलते 8 कंपनियों और व्यक्तियों पर 40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बाजार नियामक ने 8 अलग-अलग आदेशों में निकिता रूंगटा, आकाश प्रकाश शाह, आभा मोहंता, आचमन वानिज्या, अभि पोर्टफोलियो, ए सी अग्रवाल कमोडिटीज, विनय रमनलाल शाह एचयूएफ और विनोदकुमार एम जैन पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को बीएसई के शेयर विकल्प खंड में बड़े पैमाने पर गतिविधियां बढ़ने के बारे में पता चला था। इसे ध्यान में रखते हुए नियामक ने कम खरीद-फरोख्त वाले शेयर विकल्पों में अप्रैल 2014 से लेकर सितंबर 2015 के बीच गतिविधियों की जांच पड़ताल की। जांच के बाद पता चला कि बीएसई में शेयर विकल्प खंड में होने वाले कुल सौदों का 81.38 प्रतिशत यानी 2.91 लाख से अधिक सौदे वास्तविक सौदे नहीं थे। इन अवास्तविक सौदों से बाजार में 826.21 करोड़ रुपए का कृत्रिम कारोबार हुआ। यह शेयर विकल्प खंड में हुए कुल कारोबार का 54.68 प्रतिशत था। जांच में पाया गया कि ये 8 इकाइयां उन इकाइयों में शामिल थी जो कि शेयर विकल्प खंड में रिवर्सल ट्रेड में लिप्त थीं।

जीएमआर हैदराबाद हवाई अड्डे से जुड़ी मेट्रो रेल परियोजना में 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा

हैदराबाद (एजेंसी):

हैदराबाद में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) का संचालन करने वाले जीएमआर समूह ने कहा है कि वह 5,000 करोड़ रुपए की मेट्रो रेल परियोजना में 500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगा। तेलंगाना सरकार शहर के विभिन्न हिस्सों को हवाई अड्डे से जोड़ने के लिए इस मेट्रो रेल परियोजना का निर्माण कर रही है। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित तीसरी नियंत्रण अवधि (अप्रैल 2021 से मार्च 2026) के लिए टैरिफ संशोधन पर एक परामर्श पत्र के अनुसार समूह 2024 तक 519.52 रुपए का निवेश करेगा। परामर्श पत्र के अनुसार जीएमआर समूह कुल लागत का लगभग 10 प्रतिशत निवेशक करेगा, जो हवाई अड्डे के भीतर मेट्रो संपर्क की अनुमानित लागत के बराबर है।

आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 5 लाख करोड़ रुपए के पार, बना दूसरा सबसे बड़ा बैंक

(एजेंसी):

आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप बुधवार के कारोबार में 5 लाख करोड़ पार कर गया। इस साल अब तक इस शेयर में 38 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। 11 बजे के आसपास ये शेयर 734 रुपए के रिकॉर्ड हाई पर था और इसका मार्केट कैप 5.10 लाख करोड़ रुपए पर नजर आ रहा था। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक के बाद 5 लाख करोड़ रुपए की मार्केट कैप हासिल करने वाला दूसरा बैंक बन गया है जबकि यह इस रिकॉर्ड को हासिल करने वाली देश की 7वीं कंपनी बन गई है। इसके पहले रिलायंस इंडस्ट्री, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि., हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और इंफोसिस ने मार्केट कैप के लिहाज से यह स्तर हासिल किया है। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि आईसीआईसीआई बैंक ग्रोथ लीडर बनकर उभरा है। इसका प्रबंधन काफी मजबूत है और इसका रिटर्न रेश्यों भी काफी बेहतर है। जिसको देखते हुए लगता है कि यह जल्द ही एचडीएफसी बैंक और अपने बीच वैल्यूएशन गैप को काफी कम कर लेगा।

मुनाफावसूली से सेंसेक्स 214 अंक टूटा, निफ्टी 17,000 के स्तर पर बरकरार

मुंबई (एजेंसी):

बीएसई सेंसेक्स में बुधवार को 214 अंक की गिरवट आई। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बावजूद इन्फोसिस, एचडीएफसी और टीसीएस में नुकसान से बाजार नीचे आया। शेयर भाव उच्च स्तर पर पहुंचने के बीच निवेशकों ने मुनाफावसूली को तरजीह दी। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय रिकार्ड नए उच्चस्तर 57,918.71 अंक तक चला गया था लेकिन अंत में बढ़त बरकरार नहीं रही और सेंसेक्स 214.18 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,338.21 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 55.95 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,076.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकार्ड 17,225.75 अंक तक ऊपर चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक करीब 3 प्रतिशत के नुकसान में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर रहा। इसके अलावा, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, एचडीएफसी और इन्फोसिस में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक और टाइटन शामिल हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''जीडीपी आंकड़ा बेहतर रहने के बाद बाजार में अच्छी शुरूआत होने के बावजूद शेयर बाजार मुनाफावसूली के कारण

शुरूआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाए। मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद जारी आधिकारिक आंकड़े के अनुसार कोरोना वायरस की खतरनाक दूसरी लहर के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 20.1 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई। इसका कारण पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही का तुलनात्मक आधार नीचे होना और विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्रों का बेहतर प्रदर्शन रहा है। वाहन क्षेत्र का प्रदर्शन स्थिर रहा। आपूर्ति संबंधी बाधाओं के कारण अगस्त महीने में बिक्री में गिरावट रही। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग, तोक्यो और सियोल लाभ में रहें। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर के कारोबार के दौरान तेजी का रुख था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.85 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सैमसंग गैलेक्सी ए52एस 5जी 64एमपी क्वाड-कैमरा के साथ भारत में हुआ लॉन्च

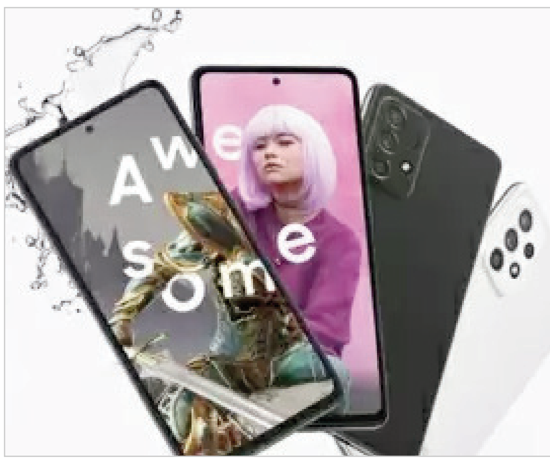

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सैमसंग ने बुधवार को अपनी ए-सीरीज गैलेक्सी ए52एस 5जी स्मार्टफोन को भारत में लॉन्च किया। स्मार्टफोन इनफिनिटी-ओ डिस्प्ले, ओआईएस के साथ 64एमपी क्वाड कैमरा जैसी खूबियों के साथ लॉन्च किया गया है, जो पानी और धूल प्रतिरोधी आईपी 67 रेटिंग के साथ आता है। स्मार्टफोन की कीमत 6जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज मॉडल के लिए 35,999 रुपये और 8जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज के लिए 37,499 रुपये है। फोन को शानदार ब्लैक, व्हाइट और वायलेट कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। सैमसंग इंडिया के मोबाइल मार्केटिंग के वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख आदित्य बब्बर ने कहा,सभी के लिए नवाचारों को सुलभ बनाने के गैलेक्सी ए सीरीज के दर्शन को जारी रखते हुए, हमें भारत में गैलेक्सी ए 52 एस 5 जी लॉन्च करने की खुशी है। सैमसंग 5 जी 12 बैंड के समर्थन और ओएस अपग्रेड के तीन साल की गारंटी के साथ है। गैलेक्सी ए52एस 5जी में 6.5 इंच का फुल एचडी प्लस सुपर एमोलेड इनफिनिटी-ओ डिस्प्ले है, जिसका रिजॉल्यूशन 1080 गुणा 2400 पिक्सल और 120 हट्र्ज रिफ्रेश रेट है। हुड के तहत, स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 778जी चिपसेट द्वारा संचालित है जिसमें एड्रेनो 642एल जीपीयू है जो 8जीबी तक रैम और 256 जीबी स्टोरेज के साथ है। स्मार्टफोन में माइक्रोएसडी कार्ड सपोर्ट भी है जो 1टीबी तक अतिरिक्त स्टोरेज विस्तार की अनुमति देता है। इसमें 4,500एमएएच की बैटरी है जो 25वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है। फोन एंड्रॉयड 11 ओएस पर चलता है जिसके ऊपर वन यूआई 3.1 है। स्मार्टफोन 5जी, वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.0, एमएफसी, एक माइक्रोएसडी कार्ड स्लॉट और एक यूएसबी सीपोर्ट जैसी कनेक्टिविटी सुविधाएँ प्रदान करता है।

हुंडई की अगस्त महीने में साल दर साल की कुल बिक्री 12 प्रतिशत से अधिक

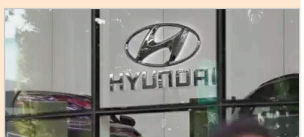

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल हुंडई मोटर इंडिया की अगस्त में बिक्री सालाना आधार पर 12.3 फीसदी से ज्यादा बढ़ी है। कंपनी ने कहा कि कंपनी की क्युमुलेटिव बिक्री पिछले महीने बढ़कर 59,068 इकाई हो गई, जो अगस्त 2020 के दौरान बेची गई 52,609 इकाई थी। भौगोलिक दृष्टि से, घरेलू बिक्री पिछले वर्ष की इसी अवधि के 45,809 इकाई से बढ़कर 46,866 इकाई हो गई। इसी तरह, कंपनी ने अगस्त में 2020 के अगस्त महीने में विदेशों में बेची गई 6,800 इकाइयों में से 12,202 इकाइयों की बिक्री हुई थी। हुंडई मोटर इंडिया ने अगस्त 2021 के महीने के लिए 46,866 इकाइयों की घरेलू बिक्री और 59 068 इकाइयों की संचयी बिक्री के साथ 12,202 इकाइयों का निर्यात दर्ज किया। यह पिछले साल की संख्या की तुलना में घरेलू मात्रा में 2.3 प्रतिशत और कुल मात्रा में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि में तब्दील हुआ है।

अमेरिका में एक महिला के लिए एप्पल वॉच बनी जीवनदायिनी

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

अमेरिका के एरिजोना की योली डी लियोन ने कहा कि उनकी एप्पल वॉच ने उन्हें असामान्य रूप से उच्च हृदय गति के बारे में सचेत किया, जिससे उन्हें तत्काल देखभाल के लिए भेज दिया गया, जहां उनके डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उनका डिवाइस सही था, और उनकी स्थिति ठीक नहीं थी। महिल ने कहा कि मेरी हृदय गति 174 पर थी। वह उसी समय अस्पताल गई,जहां डॉक्टरों ने इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम सहित कई परीक्षण किए। डी लियोन की वॉच से जान बचाने के बाद कपंनी का आभार प्रकट करने एप्पल के सीईओ टिम कुक के पास पहुंची और कहा कि उसे आश्चर्यजनक रूप से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। कुक ने डी लियोन को लिखा, मुझे बहुत खुशी है कि आपने चिकित्सा सहायता मांगी और आपको आवश्यक उपचार प्राप्त हुआ। अपनी कहानी हमारे साथ साझा करने के लिए धन्यवाद। यह हमें आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करती है। ईसीजी ऐप और अनियमित हृदय ताल अधिसूचना सुविधा यूजर्स को

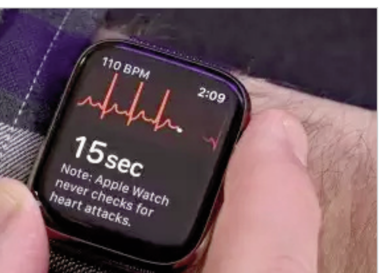

एएफआईबी के संकेतों की पहचान करने में मदद करती है, जो अनियमित ताल का सबसे सामान्य रूप है। ऐप्पल वॉच ने अब तक ईसीजी, फॉल डिटेक्शन और अन्य जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से दुनिया भर में कई लोगों की जान बचाई है। 2018 में, पुणे स्थित 53 वर्षीय वकील आरती जोगलेकर ने कुक को एक ईमेल लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी ऐप्पल वॉच के सौजन्य से जीवन बदलने वाले क्षण के लिए धन्यवाद दिया।

अशोक लीलैंड ने अगस्त में बेची 9,360 यूनिट्स

चेन्नई (एजेंसी)।

कमर्शियल वाहन प्रमुख अशोक लीलैंड लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसने पिछले महीने 9,360 यूनिट्स की बिक्री की है।

इस दौरान अशोक लीलैंड ने कहा कि उन्होंने अगस्त 2021 में 9,360 यूनिट्स (घरेलू 8,400 यूनिट्स, निर्यात 960 यूनिट्स) बेची हैं, जबकि 2020 में इसी महीने में 6,325 यूनिट्स (घरेलू 5,824 यूनिट्स, निर्यात 501 यूनिट्स) दर्ज किया गया था। इस वित्त वर्ष में अगस्त तक, अशोक लीलैंड ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान बेची गई 14,915 इकाइयों (घरेलू 13,516 यूनिट्स, निर्यात 1,399 यूनिट्स) से 35,997 यूनिट्स (घरेलू 33,079 यूनिट्स, निर्यात 2,918 यूनिट्स) की बिक्री की है। संख्या के अनुसार, बसों की बिक्री अशोक लीलैंड के साथ पिछले महीने 335 इकाइयों (घरेलू 141 यूनिट्स, निर्यात 194 यूनिट्स) की बिक्री के साथ अगस्त 2020 में बेची गई 313

यूनिट्स (घरेलू 90 यूनिट्स, निर्यात 223 यूनिट्स) से बढ़ी है।

एनसीएलटी ने वीडियोकॉन के प्रवर्तकों की संपत्ति जब्त करने का निर्देश दिया

मुंबई (एजेंसी):

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकण (एनसीएलटी) ने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की एक याचिका के बाद वीडियोकॉन के प्रवर्तकों की संपत्तियों को जब्त और कुर्क करने का निर्देश दिया। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) को निर्देश दिया कि वीडियोकॉन के प्रवर्तकों के स्वामित्व वाली या उनके पास ''किसी भी कंपनी या सोसायटी में रखी गई प्रतिभूतियों को जब्त किया जाए और उनके हस्तांतरण पर रोक लगाई जाए। पीठ ने कहा कि इस कार्रवाई का ब्यौरा कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के साथ साझा किया जाना चाहिए। पीठ ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को निर्देश दिया कि वह वीडियोकॉन के प्रवर्तकों की सभी संपत्तियों के बारे में जानकारी दे, ताकि ऐसी संपत्तियों को जब्त किया जा सके। एनसीएलटी ने यह आदेश 31 अगस्त की देर रात में दिया। इसमें भारतीय बैंक संघ (आईबीए) को भी निर्देश दिया गया कि वह वीडियोकॉन के प्रवर्तकों के स्वामित्व वाले बैंक खातों, लॉकरों का ब्यौरा दे और आदेश दिया कि ऐसे बैंक खातों और लॉकर पर भी तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी जाए।

गोल पापड़ पर जीएसटी नहीं, चौकोर पर लगेगा! गोयनका के ट्वीट पर सीबीआईसी ने दी ये सफाई

बिजनेस डेस्क:

पापड़ देश में कहीं भी किसी भी नाम से जाना जाता हो, उस पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) नहीं लगता है। साथ ही उसके आकार के आधार पर कर की दरें अलग-अलग नहीं होती है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने यह स्पष्टीकरण जारी किया है। सीबीआईसी का यह स्पष्टीकरण उद्योगपति हर्ष गोयनका के ट्वीट के बाद आया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा था कि गोल आकार के पापड़ को जीएसटी से छूट है जबकि वर्गाकार पापड़ पर शुल्क लगता है। आरपीजी एंटरप्राइज के चेयरमैन गोयनका ने मंगलवार को लिखा, ''क्या आपको पता है कि गोल आकार के पापड़ पर जीएसटी से छूट है जबकि वर्गाकार पापड़ पर माल एवं सेवा कर लगता है। क्या मुझे कोई अच्छे चार्टर्ड एकाउंटेंट के बारे में बता सकता है, जो मुझे इसके पीछे तर्क को बता सके। सीबीआईसी ने देर रात गोयनका के ट्वीट का हवाला देते हुए ट्विटर पर लिखा, ''पापड़ किसी भी नाम से जाना जाता हो, उस पर माल एवं सेवा अधिसूचना संख्या 2/2017-सीटी (आर) की एंट्री संख्या 96 के अंतर्गत जीसटी नहीं लगता है। इसके तहत पापड़ के आकार के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता। यह अधिसूचना सीबीआईसी डॉट गॉव डॉट इन **(cbic.gov.in)** पर उपलब्ध है। जीएसटी देश में एक जुलाई, 2017 से लागू है। जीएसटी में केन्द्र और राज्यों के स्तर पर लगने वाले कई शुल्कों को समाहित किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शानदार करियर के लिए स्टेन को बधाई : तेंदुलकर

नई दिल्ली। क्रिकेट लेजेंड सचिन तेंदुलकर ने दक्षिण के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करने के बाद उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी है। सचिन ने ट्वीट कर कहा, शानदार करियर के लिए बधाई स्टेन। आपके खिलाफ खेलना हमेशा मजेदार रहा। उम्मीद करता हूं कि आप अपनी दूसरी पारी का भी उसी तरह आनंद लेंगे जैसे पहली पारी का लिया। महानतम तेज गेंदबाजों में से एक स्टेन ने मंगलवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया था। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए खेले 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए हैं। स्टेन ने 125 वनडे और 47 टी20 मुकाबलों में क्रमश: 196 और 64 विकेट अपने नाम किए हैं।

द ओवल टेस्ट

सीरीज में वापसी करने उतरेगा भारत

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मुकाबले में मिली हार से सबक लेकर विराट कोहली के कप्तानी वाली टीम इंडिया गुरूवार से यहां द ओवल में होने वाले पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले से सीरीज में वापसी करने उतरेगी।

भारत को यहां 1971 में ऐतिहासिक जीत मिली थी और इसके साथ ही उसने पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती थी। हालांकि, इसके अलावा उसके पास और कोई उम्मीद नहीं है। भारत ने यहां 13 टेस्ट मैच खेले जिसमें से पांच में उसे हार मिली है और सात मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। द ओवल की पिच इंग्लैंड में बल्लेबाजी के लिए सर्वश्रेष्ठ है और यह भारतीय बल्लेबाजों के लिए राहत की खबर है जो इस सीरीज में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने किसी तरह कुछ रन बनाने में सफलता प्राप्त की है। हालांकि, नंबर-4, 5 और छह के बल्लेबाज लगातार निराश कर रहे हैं। कप्तान कोहली जो नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हैं, वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जबकि नंबर-5 पर अजिंक्य रहाणे और नंबर-6 पर ऋषभ पंत की हालत भी कुछ ऐसी ही है। भारतीय टीम मैनजमेंट जो पांच गेंदबाज खेलाने का मन रखता है, वो शायद बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इशांत शर्मा की जगह ला सकता है। रवींद्र जडेजा की फिटनेस को लेकर भी कुछ चिंताएं हैं। टीम मैनेजमेंट उनकी जगह रविचंद्रन अश्विन को ला सकता है। अश्विन को एकादश में शामिल करने के लिए टीम पर दबाव भी है। इंग्लैंड को भी एकादश में बदलाव करना पड़ेगा क्योंकि जोस बटलर बाहर हो चुके हैं जिसके बाद विकेटकीपिंग का जिम्मा जॉनी बेयरस्टो संभालेंगे। मोइन अली को उपकप्तान बनाया गया है। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि मेजबान टीम जेम्स एंडरसन और ओली रॉबिंसन में से किसी एक को आराम देती है या नहीं। दोनों तेज गेंदबाजों ने पहले तीन टेस्ट खेले हैं और सीरीज में अबतक अधिकतम ओवर तक गेंदबाजी की है। इंग्लैंड की टीम में क्रिस वोक्स और मार्क वुड की वापसी हुई है जिससे उसके पास एक गेंदबाज को आराम देने का विकल्प खुला है। वोक्स और वुड दोनों को खेलाया जा सकता है जबकि सैम करेन को आराम मिल सकता है जो फिलहाल फॉर्म में नजर नहीं आ रहे हैं।

महिला क्रिकेट : बारिश के चलते वेस्टइंडीज और द. अफ्रीका के बीच पहला टी20 रद्द

एंटिगा (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के बीच बुधवार को यहां नॉर्थ साउंड में खेला गया तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के चलते रद्द हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 135 रन बनाए। इसके जवाब में मेजबान टीम की पारी महज 2.5 ओवर तक ही चली जिसमें विंडीज ने एक विकेट पर 21 रन बनाए थे लेकिन फिर बारिश ने खेल में बाधा डाली और खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज ली (30) और कप्तान वैन निएर्कर्क (15) ने शानदार शुरूआत देते हुए पहले विकेट लिए 31 रन जोड़े। अफ्रीकी टीम को पहला झटका निएर्कर्क के रुप में लगा। पहला विकेट गिरने के बाद मैरिजान काप बल्लेबाजी करने आई और अफ्रीकी टीम की ओर से 36 रनों का सर्वश्रेठ योगदान दिया। मेहमान टीम का दूसरा विकेट ली के रुप में गिरा जो रन आउट होकर पवेलियन लौटीं। लौरा वोल्वार्डट (35) और ताजमिन ब्रिट्स (14) ने 20 ओवर तक खेलते हुए टीम की पारी को 135 रनों तक पहुंचाया जबकि काप 36 रन बनाकर तीसरे बल्लेबाज के रूप में आउट हुईं। विंडीज टीम की ओर से हेले मैथ्यूज ने एक और कप्तान अनीसा मोहम्मद ने एक विकेट अपने नाम किए। अब दोनो टीमों के बीच अगला मुकाबला इसी मैदान पर दो सितंबर को खेला जाएगा।

यूएस ओपन : जोकोविच दूसरे दौर में पहुंचे

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच डेनमार्क के होल्गर रुने को हराकर यहां चल रहे वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं।जोकोविच ने होल्गर को दो घंटे 15 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 6-7(5), 6-2, 6-1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। जोकोविच इसके साथ ही रोड लेवेर के 1969 में एक ही सीजन में चार बड़े खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी करने से छह मैच दूर रह गए हैं। जोकोविच का दूसरे दौर में सामना नीदरलैंड के टालोन ग्रिएक्सपूर से होगा जिन्होंने एक अन्य मुकाबले में जर्मनी के जान लेनार्ड स्ट्रफ को तीन घंटे 38 मिनट तक चले मैच में 2-6, 7-6(3), 4-6, 6-4, 7-5 से हराया। जोकोविच ने कहा, तीसरे और चौथे सेट के बारे में कहना मुश्किल है क्योंकि वह क्रैंप के कारण ज्यादा मूव नहीं कर पा रहे थे। मैंने शुरूआत अच्छी की और पहला सेट बखूबी निकाला। उन्होंने कहा, कड़ा मुकाबले देने के लिए उन्हें श्रेय देना होगा। दर्शकों का समर्थन भी उन्हें काफी था। अपने पहले मैच में खेलना थोड़ा कठिन होता है जबकि मेरे पास इस कोर्ट में खेलने का अनुभव है और होल्गर का यह पहला मैच था।

यूएस ओपन : स्विएतेक और बेनसिच दूसरे दौर में पहुंचीं

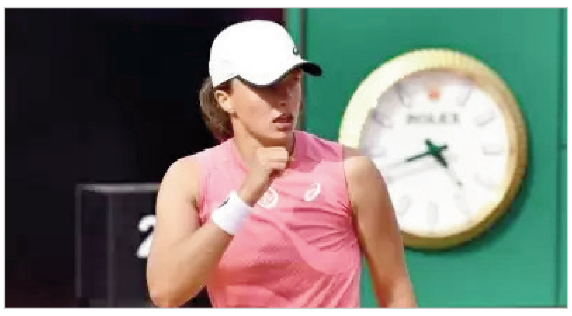

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

सातवीं सीड पोलैंड की इगा स्विएतेक ने अमेरिका की क्वालीफायर जैमी लोएब को हराकर यहां जारी यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। स्विएतेक ने लोएब को एक घंटे 14 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-4 से हराया। 2020 फ्रेंच ओपन चैंपियन लगातार तीसरे सीजन में यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंची हैं। लोएब के करियर का यह दूसरा ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ था। उन्हें 2015 यूएस ओपन के मुख्य ड्रॉ वाइल्डकार्ड मिला था। स्विएतेक ने मुकाबले में 23 विनर्स लगाए और 16 भूलें की जबकि अमेरिकी खिलाड़ी ने 15 विनर्स लगाए और 24 बेजां भूलें की। स्विएतेक का दूसरे दौर में सामना फ्रांस की फिओना फेरो से होगा जिन्होंने जापान की नाओ हिबिनो को 6-1, 6-4 से हराया। स्विएतेक ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में फेरो को हराया था। इस बीच, ओलंपिक चैंपियन बेलिंदा बेनसिच ने ओपनिंग राउंड में नीदरलैंड की अरांतक्सा रुस को 6-4, 6-4 से हराया। ब्रिटेन की एमा राडुकानु ने स्विटजरलैंड की स्टेफानी वोएगेले को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-3 से हराया। बेनसिच का अगले दौर में सामना इटली की मार्टिना त्रेविसान से होगा जिन्होंने अपने करियर में पहली बार यूएस ओपन के मुख्य ड्रॉ का पहला जीता है।

मार्टिना ने यूएस ओपन की पूर्व फाइनलिस्ट कोको वांदेवेघे को 6-1, 7-5 से हराया। चेक गणराज्य की पेत्रा क्वितोवा ने भी पहले राउंड में जीत हासिल की और स्लोवेनिया की पोलोना हेरकोग को लगातार सेटों में 6-1, 6-2 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

यूएस ओपन : ज्वेरेव दूसरे दौर में पहुंचे

न्यूयॉर्क। जर्मनी के चौथी वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव अमेरिका के सैम क्वेरी को 6-4, 7-5, 6-2 से हराकर यहां जारी वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गए। ज्वेरेव ने मंगलवार शाम को दिए अपने इंटरवीव्यू में कहा, वापस आकर बहुत अच्छा लगा। मुझे अभी भी पिछले साल का फाइनल याद है। मुझे अभी भी चार घंटे का वो मैच याद है जो मैं दुर्भाग्य से हार गया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में वापस आना और प्रशंसकों को वापस लाना बहुत ही शानदार है, हमने उनको निश्चित रूप से पिछले साल मिस कि या था। ज्वेरेव ने क्वेरी के खिलाफ अपना आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन किया अब अगले अगले मैच में वह 24 वर्षीय स्पेन के अल्बर्ट रामोस-विनोलस के साथ भिड़ेंगे। ज्वेरेव ने कहा, मुझे उम्मीद है कि दो सप्ताह में मैं 18 मैचों की जीत की लय बरकरार रखूंगा नोवाक जोकोविच रॉड लेवर (1969) के बाद पहली बार सभी चार मेजर जीतने के लिए इतिहास का पीछा कर रहा है, मैं शायद उन्हें चुनौती देने के लिए उत्सुक हूं। ज्वेरेव ने कहा, मैं अपनी सर्विस जैसी कई चीजों पर बहुत मेहनत कर रहा हूं। लेकिन मैं खुश हूं कि मैं अच्छा खेल रहा हूं। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। बीता साल मेरे लिए बहुत अच्छा रहा है।

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया

लंदन। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। कृष्णा टीम के साथ शुरूआत से ही स्टैंडबाई खिलाड़ी के रूप में शामिल थे। बीसीसीआई ने बयान जारी कर कहा, टीम मैनजमेंट की अपील पर ऑल इंडिया सीनियर चयन समिति ने तेज गेंदबाज कृष्णा को चौथे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में लिया है।कृष्णा ने इस साल मार्च में पुणे में इंग्लैंड के खिलाफ हुई वनडे सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। वह तीनों मैचों में खेले थे और उन्होंने छह विकेट लिए थे। अपने नौ प्रथम श्रेणी मैच में कृष्णा ने 20.26 के औसत से 34 विकेट लिए हैं। कृष्णा कोलकाता नाइट राइडर्स के उन चार खिलाड़ियों में शामिल थे जो आठ मई को कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इंग्लैंड के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने कोरोना को मात दी थी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला दो सितंबर से द ओवल में खेला जाएगा। यह सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है।

पैरालंपिक (बैडमिंटन) : भगत और पलक की जोड़ी को मिक्सड युगल मुकाबले में मिली हार

टोक्यो।

भारत के प्रमोद भगत और पलक कोहली की जोड़ी को यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक के मिक्सड युगल एसएल 3 एसयू 5 पैरा बैडमिंटन के ग्रुप बी मुकाबले में फ्रांस के फोस्टीन नोएल और लुकस माजुर की जोड़ी के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। नोएल और लुकस की जोड़ी ने भगत और पलक की जोड़ी को 43 मिनट तक चले मुकाबले में 21-9, 15-21, 21-19 से हराया। दूसरी सीड फ्रांसीसी जोड़ी ने भगत और पलक को पहले गेम में आसानी से 21-9 से हाराया लेकिन दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने जबरदस्त तरीके से वापसी करते हुए नोएल और लुकस की जोड़ी को 21-15 से मात दी। निर्णायक गेम में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन करीबी मुकाबले में फ्रांस की जोड़ी ने भगत और कोहली की जोड़ी को 21-19 से हराया। बैडमिंटन को पैरालंपिक में पहली बार शामिल किया गया है। हालांकि, इस इवेंट में भारत की शुरूआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। इस पैरालंपिक में अपना सवश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 10 पदक अपने नाम करने वाले भारत की झोली में आज अभी तक कोई मेडल नहीं आया है।

यूएस ओपन : ज्वोनारेवा को हराकर दूसरे दौर में पहुंचीं बार्टी

न्यूयॉर्क।

महिलाओं में नंबर-1 ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी ने रूस की वेरा ज्वोनारेवा को हराकर यहां चल रहे वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली है। बार्टी ने ज्वोनारेवा को एक घंटे 28 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 7-6(7) से हराया। खिताब की तलाश में उतरीं बार्टी ने 2010 की फाइनलिस्ट ज्वोनारेवा को पहले सेट में आसानी से मात दी लेकिन दूसरे सेट में उन्हें जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा और एक अंक के अंतर से बार्टी ने दूसरे दौर में जगह बनाई। बार्टी ने कहा, ज्वोनारेवा के खिलाफ खेलना मुश्किल रहा। वह अनुभवी हैं और उन्हें पता है कि मुकाबले में कैसे बने रहना है। मेरे ख्याल से वातावरण में ढलना थोड़ा धीमा रहा। मेरे पास दूसरे राउंड में इसमें सुधार लाने का मौका रहेगा। बार्टी का अगले दौर में सामना 18 वर्षीय डेनमार्क की क्लारा टाउसन से मुकाबला होगा जिन्होंने पूर्व जूनियर नंबर-1 फ्रांस की क्लारा बुरेल को एक घंटे 14 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5, 6-0 से हराया। इस बीच, चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिसकोवा ने वाइल्डकार्ड अमेरिका की कैटी मैकनेली को एक घंटे 23 मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। ग्रीस की मारिया सकारी ने यूक्रेन की मारता कोसतियुक को एक घंटे 31 मिनट तक चले मैच में 6-4, 6-3 से हराया।

आईपीएल 2021 : दिल्ली टीम से जुड़ने के लिए दुबई पहुंचे स्मिथ

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ने और आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में भाग लेने के लिए दुबई पहुंच गए हैं। स्मिथ टीम के अभ्यास सत्र से जुड़ने से पहले छह दिनों तक होटल में क्वारंटीन में रहेंगे। आईपीएल 2020 की उपविजेता टीम ने स्मिथ की तस्वीर पोस्ट कर कैप्शन लिखा, देखिए कौन दिल्ली के कैंप के साथ जुड़ने के लिए आया है। आपका स्वागत।स्मिथ चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ विंडीज और बांग्लादेश दौरे पर नहीं गए थे। उन्हें आईपीएल 2021 के पहले चरण के दौरान चोट लगी थी। चोट से उबरने के बाद स्मिथ ने वापसी की है। आईपीएल के बाद उन्हें टी20 विश्व कप में हिस्सा लेना है और फिर एशेज सीरीज में खेलना है। स्मिथ को राजस्थान रॉयल्स ने 2020 सीजन के बाद रिलीज किया था और दिल्ली ने उन्हें इस साल फरवरी में हुई आईपीएल की नीलामी में 2.2 करोड़ रूपये में खरीदा था। दिल्ली की टीम फिलहाल आठ मैचों में 12 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर है। आईपीएल 2021 में दिल्ली अपने अभियान की दोबारा शुरूआत 22 सितंबर को दुबई में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

भारत में आपके साथ स्टार की तरह व्यवहार किया जाता है: स्टेन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने भारत में खेलने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि भारत में फिल्मी सितारे जैसा व्यवहार किया जाता है। 38 वर्षीय पूर्व गेंदबाज ने भारत में काफी अंतरराष्ट्रीय और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट खेला है। उन्होंने अपना आखिरी आईपीएल मैच 2019 में विराट कोहली की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेला था। सैक्रिकेटमैग डॉट कॉम के साथ एक इंटरव्यू में स्टेन ने कहा कि भारत एक अद्भुत जगह है! यह एक रॉक स्टार की तरह आपको महसूस कराता है। आपके साथ हॉलीवुड या बॉलीवुड स्टार की तरह व्यवहार किया जाता है। वहां के लोग क्रिकेट को पागलों की तरह देखते हैं। स्टेन ने आगे कहा कि आप हवाई अड्डे पर जाओ या अभ्यास करने 10,000 लोग आपको देख रहे होते हैं। मुझे पता नहीं फिर मैं अपने जीवन में ऐसा अनुभव कर पाउंगा या नहीं। उन्होंने महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और रिकी पोंटिंग की बल्लेबाजी की सराहना की। स्टेन ने कहा कि सचिन और पोंटिंग अद्भुत बल्लेबाज थे। वे आपकी रणनीति को पहले से जान लेते थे और आपको वो आउट करने का मौका नहीं देते थे। स्टेन ने मंगलवार को क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने 93 टेस्ट (439 विकेट), 125 वनडे (196 विकेट) और 47 टी20 (64 विकेट) मैच खेला है। स्टेन ने पहले ही अगस्त 2019 में टेस्ट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2005 में सेंचुरियन में एशिया एकादश के खिलाफ अफ्रीका इलेवन के लिए अपना वनडे डेब्यू किया था। उनके सर्वश्रेष्ठ आंकड़े, 39 रन देकर छह विकेट है जो उन्होंने 2013 में पाकिस्तान के खिलाफ लिए थे। उस सीरीज के दौरान स्टेन ने टेस्ट और वनडे क्रिकेट दोनों में ही बल्लेबाजों को खूब परेशान किया था। 2007 में, स्टेन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 में डेब्यू किया था और अपने दूसरे गेम में वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने तीन ओवर में दो रन देकर करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर दिया था। स्टेन का आखिरी वनडे 2019 में श्रीलंका के खिलाफ था, जबकि पिछले साल फरवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मुकाबला उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था।

श्रीलंका दौरा उत्साहित करने वाला अनुभव: पडिकल

बेंगलुरु। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज देवदत्त पडीकल का कहना है कि टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर जाना उनके लिए उत्साहित करने वाला अनुभव रहा। 21 वर्षीय खिलाड़ी ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे मैच से टी20 में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने पहले मैच में 29 रन बनाए। तीसरे टी20 में वह नौ रन ही बना सके और टीम ने 2-1 से सीरीज गंवाई। पडीकल ने कहा, यह मेरे लिए उत्साहित करने वाला अनुभव था। मैं वहां होकर काफी उत्साहित महसूस कर रहा था और सीखने तथा सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित किया। हम लोगों में से कई खिलाड़ियों के लिए भारतीय टीम के साथ यह पहला दौरा था और सभी लोग नई तकनीक तथा सीनियर खिलाड़ियों से सीखना चाहते थे। पडीकल आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर के लिए खेलते नजर आएंगे। उन्होंने 2020 के सीजन में 15 मुकाबलों में 31.53 के औसत से 473 रन बनाए थे और उन्हें ईमर्जिग प्लेयर का अवॉर्ड मिला था। आईपीएल 2021 के पहले चरण में पडीकल ने छह मैचों में 195 रन बनाए जिसमें राजस्थान रॉयल्स के इखलाफ नाबाद 110 रन की पारी शामिल है। वह कोरोना से उभरने की वजह से पहला मैच नहीं खेल सके थे।

कर्नाटक के इन हिल स्टेशन के बारे में हर ट्रेवलर को जरूर जानना चाहिए

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयार.यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयार.य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

दुनिया के इन खूबसूरत बीचेस पर घूमने का है एक अलग ही आनंद

जब भी समर वेकेशन की बात होती है तो लोग अक्सर बीच पर जाना ही पसंद करते हैं। समुद्र तट के किनारे बैठकर कुछ पल फुरसत के बिताने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन यह लुत्फ तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जब वह बीच भी बेहद साफ व खूबसूरत हो। दरअसल, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण का असर विश्व में मौजूद बीचेस पर भी पड़ा है, जिसके कारण वह अब पहले जैसे साफ नहीं रह गए हैं। लेकिन फिर भी कुछ ऐसे बीचेस हैं, जो बेहद क्लीन है और इसलिए यहां पर घूमना यकीनन आपको भी काफी अच्छा लगेगा। तो चलिए जानते हैं इन बीचेस के बारे में-

लानिकाई बीच, ओहू, हवाई

लानिकाई बीच बेहद ही खूबसूरत बीच हैं। इस समुद्र तट को खोजने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन ओहू में टूरिस्ट ट्रैफिक की हलचल से दूर, यह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। लुभावना नीला पानी आपको मोहित कर लेगा। सह समुद्र तट मुख्य रूप से अपने पानी के लिए जाना जाता है, और यह आपकी कश्ती, पैडलबोर्ड और तैराकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम सही है।

माया बे, थाईलैंड

थाईलैंड में स्थित शानदार माया बे बीच लगभग 200 मीटर लंबा मुख्य समुद्र तट है और यह अपने पानी के नीचे रंगीन मूंगा, चमकदार साफ पानी और विदेशी मछली के लिए जाना जाता है। इसकी खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि डैनी बॉयल ने लियोनार्डो डिकैप्रियो अभिनीत मूवी द बीच (2000) की शूटिंग के लिए इस खूबसूरत समुद्र तट को चुना।

व्हाइटहेवन बीच, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया

ग्रेट बैरियर रीफ के केंद्र में स्थित, और व्हाट्सुनडे आइलैंड्स नेशनल पार्क के संरक्षित लिफाफे में मौजूद व्हाइटहेवन बीच ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है। बड़े पैमाने पर यह बीच 4.4 मील (7 किमी) तक फैला है। यह समुद्र तट कुछ शुद्ध सफेद सिलिका रेत, और फ़िरोज़ा, नीले और हरे रंग के साफ पानी के मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य प्रस्तुत करता है।

लांग बीच, वैंकूवर द्वीप, कनाडा

कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर सबसे लंबा रेतीला समुद्र तट, जिसे उपयुक्त रूप से लॉन्ग बीच कहा जाता है, कुछ सबसे शांत दृश्य और अद्भुत समुद्री जंगल प्रदान करता है। प्रशांत रिम नेशनल पार्क रिजर्व के भीतर स्थित यह समुद्र तट 10 मील (16 किमी) तक फैला हुआ है। इसकी खूबसूरत रेत और रेनफॉरेस्ट के व्यू इस स्थान को और भी बेहतरीन व खूबसूरत बनाता है।

एलोरा गुफाओं की बात है निराली, जानिए इनके बारे में

एलोरा गुफाएं, उत्तर-पश्चिम-मध्य महाराष्ट्र राज्य में 34 शानदार रॉक-कट मंदिरों की एक श्रृंखला है। वे औरंगाबाद के उत्तर-पश्चिम में 19 मील और अजंता की गुफाओं से 50 मील दक्षिण-पश्चिम में एलोरा गांव के पास स्थित हैं। करीबन 2 किमी की दूरी में फैले इन मंदिरों को बेसाल्टिक चट्टानों से काटा गया था और इनमें विस्तृत अग्रभाग और आंतरिक दीवारें हैं। एलोरा परिसर को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था। ये लुभावनी गुफाएं अपनी मूर्तियों और वास्तुकला के लिए निश्चित रूप से देखने लायक हैं। तो चलिए आज हम आपको एलोरा गुफाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

धार्मिक विविधता का है प्रतीक

एलोरा की गुफाएं न केवल तीन महान धर्मों (बौद्ध, ब्राह्मणवाद और जैन धर्म) की गवाही देती हैं, बल्कि वे सहिष्णुता की भावना, प्राचीन भारत की विशेषता को भी दर्शाती हैं, जिसने इन तीनों धर्मों को अपने अभयारण्यों और अपने समुदायों को एक ही स्थान पर स्थापित करने की अनुमति दी। 12 बौद्ध गुफाएं (दक्षिण में) लगभग 200 ईसा पूर्व से 600 सीई तक, 17 हिंदू मंदिर (केंद्र में) लगभग 500 से 900 सीई तक और 5 जैन मंदिर (उत्तर में) लगभग 800 से 1000 सीई तक बनाई गई हैं। एलोरा ने मठों (विहारों) और मंदिरों (चैत्य) के एक समूह के रूप में कार्य किया।

कैलासा गुफा है बेहद प्रसिद्ध

गुफ मंदिरों में सबसे उल्लेखनीय कैलासा (कैलासनाथ गुफा 16) है, जिसका नाम हिमालय के कैलास रेंज में पर्वत के लिए रखा गया है जहां हिंदू भगवान शिव निवास करते हैं। साइट पर अन्य मंदिरों के विपरीत, जो पहले चट्टान के चेहरे में क्षैतिज रूप से खोदे गए थे, कैलासा परिसर को बेसाल्टिक ढलान से नीचे की ओर खोदा गया था और इसलिए यह काफी हद तक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में है। 8 वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण, कृष्ण प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ। इसमें सीढ़ियों, दरवाजों, खिड़कियों और कई निश्चित मूर्तियों के साथ विस्तृत नक्काशीदार मोनोलिथ और हॉल हैं। इसकी बेहतर सजावट में से एक विष्णु का एक दृश्य है जो एक नरसिंह में बदल गए। प्रवेश द्वार के ठीक बाहर, मुख्य प्रांगण में, शिव के बैल नंदी का एक स्मारक है। हॉल के भीतर चित्रण में 10 सिरों वाले राक्षस राजा रावण ने ताकत के प्रदर्शन में कैलासा पर्वत को हिलाने का दृश्य भी मौजूद है।

जैन गुफाएं

जैन मंदिरों में उल्लेखनीय गुफा 32 है, जिसमें कमल के फूलों और अन्य विस्तृत आभूषणों की बारीक नक्काशी शामिल है। हर साल ये गुफाएं धार्मिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बड़ी भीड़ को आकर्षित करती हैं। शास्त्रीय नृत्य और संगीत का वार्षिक एलोरा महोत्सव मार्च के तीसरे सप्ताह में वहाँ आयोजित किया जाता है।

सार समाचार

अमेरिकी नौसेना का हेलिकॉप्टर दक्षिण कैलिफोर्निया के निकट सागर में दुर्घटनाग्रस्त, पांच लोग लापता

सेन डिएगो (अमेरिका)। अमेरिकी नौसेना का एक हेलिकॉप्टर नियमित उड़ान के दौरान दक्षिण कैलिफोर्निया के पास सागर में मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसमें सवार लोगों में से पांच लापता हैं। हेलिकॉप्टर ने एक विमान वाहक पोत से उड़ान भरी थी। सेना के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नौसेना के 'यूएस पैसिफिक फ्लीट' की ओर से जारी शुरुआती वक्तव्य में बताया गया कि हेलिकॉप्टर एमएच-60एस सेन डिएगो से कुछ दूरी पर दोपहर करीब साढ़े चार बजे हादसे का शिकार हुआ और उसके बाद तलाश एवं बचाव अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बाद में बताया कि हेलिकॉप्टर के चालक दल (क्रू) के एक सदस्य को बचा लिया गया तथा पांच अन्य की तलाश की जा रही है। नौसेना के मुताबिक, हेलिकॉप्टर ने विमान वाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन से उड़ान भरी थी और नियमित उड़ान के दौरान ही यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तटरक्षक बल और नौसेना की ओर से तलाश एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। एमएच-60एस का इस्तेमाल आमतौर पर युद्ध अभियानों में सहायता देने, मानवीय आपदा राहत और तलाश एवं बचाव अभियान में किया जाता है।

पेइचिंग में 2021 विश्व 5जी सम्मेलन उद्घाटित

बीजिंग। 2021 विश्व 5जी सम्मेलन 31 अगस्त को पेइचिंग में उद्घाटित हुआ। उद्घाटन समारोह में कई अतिथियों ने भाषण देते हुए कहा कि चीन 5जी उद्योग के आगे विकास को संयुक्त रूप से बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग को मजबूत करने को तैयार है। बता दें कि साल 2019 में चीन ने औपचारिक तौर पर 5जी का वाणिज्यिक उपयोग शुरू किया। वर्तमान में दुनिया की अग्रणी तकनीक, सबसे बड़े पैमाने और सबसे अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ 5जी नेटवर्क बन गया है, और दुनिया की सबसे बड़ी 5जी औद्योगिक प्रणाली स्थापित हुई है, जो विकास का एक मजबूत रुझान दिखा रहा है। जानकारी के मुताबिक, 5जी के वाणिज्यिक उपयोग शुरू होने के बाद से पिछले 2 सालों में चीन ने 9 लाख 93 हजार 5जी बेस स्टेशनों का निर्माण कर दिया है, जो देश भर में सभी शहरों, 95 प्रतिशत की कांउटियों और 35 प्रतिशत के कस्बों को कवर करते हैं। 5जी मोबाइल फोन टर्मिनल कनेक्शन की संख्या 39 करोड़ 20 लाख से अधिक है। 5जी नइंटरनेट, बिग डेटा, कृत्रिम बुद्धि जैसी तकनीकें निकटता से जुड़ी हुई हैं, जिनसे 5जी प्लस चिकित्सा स्वास्थ्य, 5जी प्लस औद्योगिक इंटरनेट, 5जी प्लस अल्ट्रा एचडी वीडियो आदि 5जी प्लस वाला विकास का नया मॉडल पैदा हुआ। 31 अगस्त को आयोजित विश्व 5जी सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में चीनी उद्योग और सूचनाकरण मंत्री श्याओ याछिंग ने भाषण देते हुए कहा कि वर्तमान में देश भर में 10 हजार से अधिक 5जी आवेदन मामले हैं, जो स्टील, बिजली, खनन जैसे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के 22 क्षेत्रों को कवर करते हैं और चीन में उच्च गुणवत्ता वाले विकास का नेतृत्व करने वाला नया इंजन बन चुका है।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाना एकदम सही फैसला था: जो बाइडेन

वॉशिगंटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जो अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की जल्दबाजी और अराजक वापसी पर भारी आलोचना का सामना कर रहे हैं, ने एक बार फिर अपने इस फैसले का बचाव किया है और कहा है कि उनका मानना है कि यह पूरे दिल से सही कॉल था, यानि की (उन्होंने जो भी किया वह सही था फिर भले चाले अफगानिस्तान के हालात अब चाहें जैसे हो)। अफगानिस्तान को पूरी तरह से तालिबान के हवाले करते हुए जब अमेरिकी सैनिकों की आखिरी टुकड़ी ने अफगानिस्तान छोड़ा उसके के कुछ घंटे बाद, व्हाइट हाउस से राष्ट्र को संबोधित करते हुए, जो बाइडेन ने कहा, 'मैं आपको अपना वचन देता हूं, अपने पूरे दिल से, मुझे विश्वास है कि यह है सही फैसला, समझदारी भरा फैसला और अमेरिका के लिए सबसे अच्छा फैसला।' राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आगे कहा 'हम अफगानिस्तान में 20 साल से तालिबान से युद्ध कर रहे थे। यदि आप आज 20 वर्ष के हैं तो अब तक आपने कभी अमेरिका को शांति के लिए नहीं जाना है। अफगानिस्तान ने हमारे सैनिक अपनी जान की बाजी लगा रहे हैं। हमारे देश के एक प्रतिशत लोग की सेना की वर्दी पहनते हैं। लंबे समय से चले आ रहे अफगानिस्तान युद्ध के समाप्त होने की घोषणा करते हुए बिडेन ने कहा कि यह एक प्रतिबद्धता थी जो उन्होंने अमेरिकी लोगों से की थी और उस वादे का सम्मान किया।

अमेरिका और भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग कर सकते हैं: कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन। अमेरिका के अफगानिस्तान से अपनी सेना निकालने के साथ ही इतिहास में सबसे लंबे युद्ध के खत्म होने पर एक प्रभावशाली भारतवंशी अमेरिकी सांसद ने कहा कि भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक-दूसरे का सहयोग कर सकते हैं। भारतवंशी अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि अमेरिका को अफगानिस्तान में अपना आतंकवाद विरोधी अभियान जारी रखना चाहिए ताकि वह आईएसआईएस और अल-कायदा जैसे आतंकवादी समूहों के लिए पनाहगाह न बने। उन्होंने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''भारत और अमेरिका कई तरीकों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग कर सकते हैं जिसमें खुफिया सूचनाएं साझा करना भी शामिल हैं। साथ ही आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की क्षमता बढ़ाने और उनके मंसूबों पर पानी फेरने के लिए काम कर सकते हैं।'' इलिनोइस से तीन बार के सांसद कृष्णमूर्ति खुफिया मामलों पर सदन की स्थायी चयन समिति के पहले भारतवंशी सदस्य हैं।

अमेरिका ने काबुल से रेस्क्यू मिशन किया समाप्त, पीछे छूटे कई अफगानी नागरिक

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

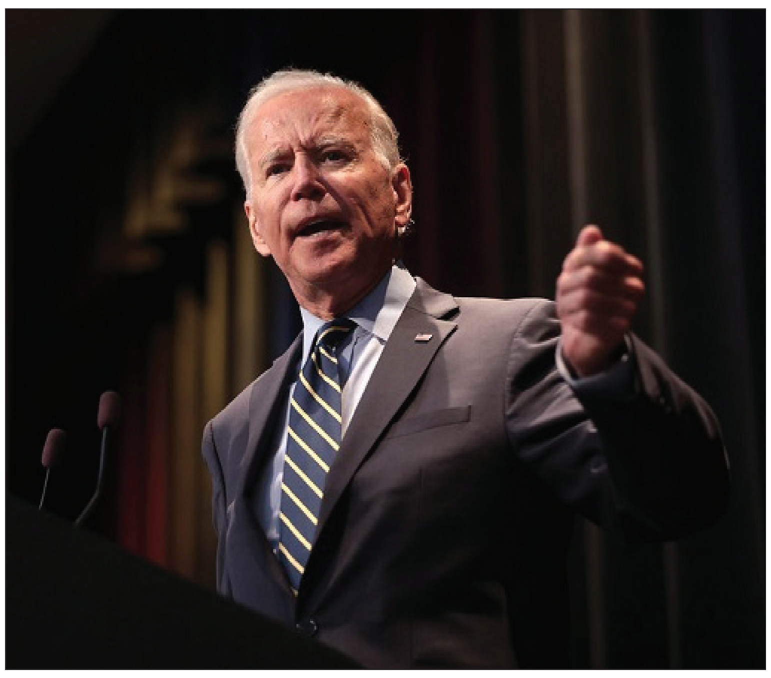

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी 31 अगस्त की डेडलाइन के साथ ही सामप्त हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 20 साल तक चले इस मिशन को कामयाब बताया है। इसके साथ ही अफगानिस्तान समेत दुनियाभर के आतंक के खिलाफ लड़ने की प्रतिबद्धता भी जताई है। अफगानिस्तान से रेस्क्यू अभियान के जरिये अमेरिका ने अपने सैनिकों और कई नागरिकों को सुरक्षित निकाला है। लेकिन अभी भी कई लोग ऐसे हैं जो अमेरिका से मदद की गुहार लगा रहे हैं। इनमें से ही एक शख्स है मोहम्मद जिसने आज से 13 साल पहले बाइडेन की मदद की थी। 2008 में बाइडेन और दो अन्य सीनेटर एक दूरस्थ अफगानिस्तान घाटी में फंसे हुए थे। उस कंपकंपी सर्दी में बर्फीली पहाड़ों के बीच फंसे बाइडेन को वापस लाने में अफगान दुभाषिया मोहम्मद ने मदद की थी लेकिन अब वो अफगानिस्तान में ही छूट गया है।

मोहम्मद अब व्हाइट हाउस से मदद की गुहार लगा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल से बात करते हुए मोहम्मद (पहचान छिपाने के लिए पूरे नाम का उपयोग नहीं किय गया) ने अमेरिकी राष्ट्रपति से खुद को और उसके परिवार को बचाने की अपील की। साल 2008 में काम करने वाले सेना के दिग्गजों के अनुसार 2008 में तत्कालीन सीनेटर जो बाइडेन और पूर्व सीनेटर्स चक हेगल, आर नेब, जॉन केरी, डी मास को बचाने में मदद की थी। जब उनका हेलीकॉप्टर बर्फीले तूफान की वजह से अफगानिस्तान में इमरजेंसी लैंडिंग करने पर मजबूर हुआ था। मोहम्मद उस समय अमेरिकी सेना के लिए एक दुभाषिया थे।

सीएनएन से बात करने वाली महिला ने छद्म नाम 'सारा' का इस्तेमाल किया। सीएनएन को बताते हुए महिला ने कहा कि अपने घर में 19 बच्चों की देखभाल की और उन्हें खिलाया-पिलाया, जिसमें से दो विकलांग भी थे। मुझे अभी पता चला कि वे चले गए। और मैं बस थोड़ी देर चुप रही। मैं बस कमरों में घूमने चली गयी। मैंने देखा कि छोटे बच्चे सो रहे हैं और उन्हें पता नहीं है कि क्या हुआ? अमेरिका आखिरी उड़ान चली गई, और हम पीछे रह गए। यह देखकर दिल दहल जाता है। महिला ने कहा कि हमें किसी ने नहीं सुना कि हम खतरे में हैं, और हमें सुरक्षित रहने की आवश्यकता है। यह दिल दहला देने वाली घटना है। टीवी एंकर से महिला ने कहा कि मुझे यह भी नहीं पता कि आपसे क्या कहना है। और क्या - जो भी मेरी मदद करने और मेरा समर्थन करने की कोशिश कर रहे थे, उन्होंने मुझे यह भी नहीं बताया कि यह आखिरी उड़ान है। इसलिए, मुझे अभी भी उम्मीद थी कि हम चले जाएंगे। सारा ने कहा कि वह छह बच्चों के साथ हवाई अड्डे पर गई थी। वहां एक गेट पर जहां विदेश विभाग ने मुझे जाने के लिए कहा था।

इसके साथ ही सारा ने बताया कि उन्होंने मुझसे कहा कि 'सुनिश्चित करें कि आपके पास अपना छाता है। जिससे आपकी पहचान करना आसान हो। सुनिश्चित करें कि आपके पास एक गुप्त कोड है।' मैंने कहा 'ठीक है, मेरे पास वह है और बस गेट पर पहुंचो।' मैंने कहा 'ठीक है। सारा ने दावा किया कि फेंकी गई गैस ने उसे बाहर कर दिया और मैंने सभी छोटे बच्चों को खो दिया। मुझे यह भी नहीं पता था कि बच्चे कहां हैं। सीएनएन पत्रकार ने पूछा, ÷तो, अब क्या होगा? जिसपर सारा ने जवाब दिया म सब जा चुके हैं? वे कहते हैं, %हम वहां लोगों के साथ काम करते रहेंगे। तालिबान ने कहा है कि जो लोग जाना चाहते हैं वो जा सकते हैं। हवाई अड्डा खुला रहेगा। क्या आप इनमें से किसी पर विश्वास करते हैं? मैं अब और नहीं जानती कि अब और क्या करूं। मैं अब किसी पर विश्वास नहीं करती। क्योंकि पिछले 10 दिनों से, आगे-पीछे, आगे-पीछे करवा कर वे मुझे बेवकूफ बना रहे हैं।

काबुल के आत्मघाती हमले में शहीद हुई अमेरिकी मरीन का निकाला गया जुलूस!

लॉरेंस (अमेरिका)। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में आत्मघाती हमले में मारी गई अमेरिकी मरीन जोहानी रोसारियो पिचार्डो के सम्मान में मंगलवार को उनके गृह निवास में एक जुलूस निकाला गया। काबुल में हुए हमलों में अमेरिकी सेना के 13 सदस्य मारे गए थे जिनमें से जोहानी भी थीं। मैसाचुसेट्स के लॉरेंस के 'वेटरन्स मेमोरियल स्टेडियम' में अधिकारियों ने जुलूस निकाला।

इस दौरान सार्जेंट जोहानी रोसारियो पिचार्डो का परिवार भी वहां मौजूद था। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हवाईअड्डे के पास 26 अगस्त को हुए हमलों में 25 वर्षीय जोहानी रोसारियो मारी गई थीं, जहां तालिबान के देश पर कब्जे के बाद निकासी अभियान चल रहा था। अमेरिकी सेना के 13 सदस्य और 169 अफगान लोग हमले में मारे गए थे। बोस्टन में पिछले सप्ताहांत में जोहानी रोसारियो की स्मृति में कई लोगों ने एक जुलूस निकाला था, जिसे 'मैसाचुसेट्स फॉलन हीरोज' द्वारा आयोजित किया गया था। यह इराक और अफगानिस्तान में सेवा करने वाले पूर्व सैनिकों द्वारा स्थापित एक संगठन है। डोमिनिकन मूल की जोहानी रोसारियो 'नौसेना उभयचर बल' की टास्क फोर्स 51/5वीं 'मरीन ब्रिगेड' में तैनात थीं।

छोटे-छोटे बच्चों को मानसिक गुलाम बनाने की तैयारी में चीन, स्कूल-कॉलेज में पढ़ाए जाएंगे जिनपिंग के राजनीतिक विचार

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन की सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के तहत सत्ताधारी पार्टी सीपीसी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की राजनीतिक विचारधारा को स्कूल-कॉलेज के पाठ्यक्रम में शामिल करने का फैसला किया है। देश के शिक्षा मंत्रालय की ओर से नई योजना का ऐलान करते हुए कहा गया है कि सभी कक्षाओं के छात्रों के लिए उनकी किताबों में नए युग के लिए चीनी विशेषताओं के साथ समाजवाद पर शी जिनपिंग के विचार को शामिल किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया कि 1 सितंबर से नए स्कूल वर्ष की शुरुआत के साथ ही प्राथमिक स्कूलों से लेकर स्नातक कार्यक्रमों तक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में शी जिनपिंग की ओर से परिभाषित राजनीतिक विचारधारा को शामिल किया जाएगा। नए पाठ्यक्रम पर एक सरकारी नोटिस के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को ÷युवा दिलों में पार्टी, देश और समाजवाद से प्यार करने का बीज बोना चाहिए।

नई स्कूली किताबों को राष्ट्रपति के तीखे उद्धरणों और उनके मुस्कुराते हुए चेहरे की छवियों से सजाया गया है। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए चीनी सभ्यता की उपलब्धियों और गरीबी उन्मूलन और कोविड -19 महामारी से लड़ने में कम्युनिस्ट पार्टी की भूमिका पर अध्याय प्रस्तुत किए हैं। देशभक्ति और कर्तव्य पर शी द्वारा कही गई बातों के साथ-साथ आम नागरिकों के साथ उनकी बैठकों के उपाख्यानों को किताबों में शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम पुस्तक में कहा गया है कि शी जिनपिंग काम में बहुत व्यस्त हैं, लेकिन वे कितने भी व्यस्त क्यों न हों, फिर भी वे हमारी गतिविधियों में शामिल होते हैं और हमारे विकास की परवाह करते हैं। शी जिनपिंग के विचारों में 14 मुख्य सिद्धांत हैं, जो कम्युनिस्ट आदर्शों पर जोर देते हैं। इनमें 'गहन सुधार' और 'नए विकासशील विचारों' का आह्वान करना, 'मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्यपूर्ण जीवन' का वादा, 'एक देश दो व्यवस्था' और मातृभूमि के एकीकरण के महत्व पर जोर देना शामिल है। चीन के इस तरह के कदम से साफ प्रतीत होता है कि वो अपने देश के छात्रों का ब्रेन वॉश करने की तैयारी में लगा है जिससे आने वाले भविष्य में कभी सरकार की नाकामियों या फिर गलत नीतियों के खिलाफ आवाज न उठाया जा सके। नए पाठ्यक्रम के अनुसार प्राथमिक विद्यालय देश, सीपीसी और समाजवाद के लिए प्रेम पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं माध्यमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में बुनियादी राजनीतिक निर्णयों और मतों से छात्रों की मदद करने के लिए प्रत्यक्ष बोधात्मक अनुभव और ज्ञान अध्ययन शामिल होगा।

अमेरिका में थम नहीं रहे कोरोना के मामले, दक्षिणी राज्यों की स्थिति खराब, ऑक्सीजन की भी भारी किल्लत

वॉशिगंटन। (एजेंसी)।

चीन के वुहान शहर से फैले वायरस से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। अमेरिका के हालात की काफी बदतर है। यहां पर 31 अगस्त को 1 लाख 57 हजार 859, 30 अगस्त को 2 लाख 80 हजार 403, 29 अगस्त को 42 हजार 158, 28 अगस्त को 88 हजार 450 नए मामले सामने आए हैं।

अमेरिका में कोरोना के बढ़ते मामलों के साथ ही ऑक्सीजन और बेड की भारी कमी हो गई है। हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं और ऑक्सीजन की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। दक्षिणी राज्यों के अस्पतालों की हालत बेहद खराब है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यहां पर वो लोग ज्यादा संक्रमित हो रहे हैं, जिन्हें वैक्सीन नहीं लगी है।

फेफड़ों में हो रही दिक्कत

अमेरिका में कोरोना के नए स्वरूप की वजह से परेशानियां बढ़ी हुई हैं। इसी बीच डॉक्टरों ने बताया कि नए स्वरूप की वजह से लोगों के फेफड़ों में दिक्कत हो रही है। वहीं कुछ मरीजों के फेफड़े पूरी तरह से खराब हो गए, जिनकी वजह से उनकी मृत्यु हो गई।

अमेरिका के हालात हो रहे बदतर

यूरोपीय संघ ने अमेरिका के यात्रियों के आगमन पर समूह के 27 देशों में पाबंदी लगाने की सिफारिश की। यूरोपीय संघ ने जून में अमेरिकी यात्रियों पर लगायी गई पाबंदी खत्म कर दी थी लेकिन एक बार फिर गैर जरूरी यात्रा के लिए सुरक्षित देशों की सूची से अमेरिका को हटा दिया गया है।

यूरोपीय परिषद का यह फैसला गैर बाध्यकारी होगा। यूरोपीय संघ के देशों में कोविड-19 के मद्देनजर यात्रा को लेकर कोई एकीकृत नीति नहीं है और संबंधित देश की सरकार को यह फैसला लेना होता है कि अमेरिकी यात्रियों के लिए सीमा खोली जाए या नहीं। अमेरिका ने भी यूरोपीय संघ के यात्रियों के लिए अब तक अपनी सीमाएं नहीं खोली है। ईयू के नेता अमेरिका से कई बार सीमाएं खोलने का अनुरोध कर चुके हैं।

पंजशीर घाटी में तालिबानी के 350 लड़ाके ढेर, 40 को नॉर्दन एलायंस ने बनाया बंधक

काबुल। (एजेंसी)।

अमेरिकी सेना के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद तालिबान ने काबुल एयरपोर्ट पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है और अब उन्होंने लोगों को एयरपोर्ट न जाने की सलाह दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक काबुल में अफरातफरी का माहौल है। अफगानिस्तान की पंजशीर घाटी को छोड़ दिया जाए तो बाकी के तमाम प्रांतों पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है।

तालिबानी लड़ाके ढेर

वहीं दूसरी तरफ तालिबान के लड़ाके पंजशीर घाटी में लगातार घुसपैठ की कोशिशें कर रहे हैं। इसी बीच जानकारी मिल रही है कि नॉर्दन एलायंस ने बीती रात को 350 तालिबानी लड़ाकों को मार गिराया है। जबकि 40 लड़ाकों को बंधक बनाया है। नॉर्दन एलायंस ने ट्वीट कर खुद इसकी जानकारी दी।

पिछली बार भी तालिबान पंजशीर घाटी पर कब्जा नहीं कर पाया था और इस बार भी अभी तक नहीं कर पाया है लेकिन लगातार घुसपैठ की कोशिशें कर रहा है। बीती रात को तालिबानी लड़ाकों और नॉर्दन एलायंस के बीच ताबड़तोड़ गोलीबारी हुई थी। इस दौरान नॉर्दन एलायंस ने कई अमेरिकी वाहन और हथियारों को बरामद किया है, जो तालिबान के लड़ाकों के पास मौजूद थे।

आजादी विरोधी ताकतों की देश के खिलाफ साजिश से रहें सावधान: हसीना

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया, क्योंकि मुक्ति-विरोधी ताकतें अपने सहयोगियों के साथ अभी भी देश के खिलाफ साजिश कर रही हैं, विदेशों से सहायता ले रही हैं। राष्ट्रीय शोक दिवस को चिह्नित करने के लिए कृषिबिद इंस्टीट्यूशन, बांग्लादेश (केआईबी) में अवामी लीग की छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) के एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में हसीना ने कहा, युद्ध अपराधी, पराजित सेना, 15 अगस्त के हत्यारे और उनके बच्चे अभी भी बांग्लादेश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। वे देश के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। अपने आधिकारिक आवास गनोभबन से कार्यक्रम में शामिल होते हुए उन्होंने कहा, कुछ अंतर्राष्ट्रीय ताकतों ने बुरी ताकतों को लाड़-प्यार दिया है, जिन्होंने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के खिलाफ कार्रवाई की थी। राष्ट्र को इसके बारे में सतर्क रहना चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत में 15 अगस्त, 1975 के नरसंहार के शहीदों के प्रति सम्मान दिखाने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। नरसंहार में हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान और उनके परिवार के अधिकांश सदस्य भी मारे गए थे। बीसीएल की मुख्य संरक्षक हसीना ने अपने सदस्यों और सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को देशभक्ति से ओतप्रोत देश के लिए काम करने और राष्ट्रपिता बंगबंधु के आदर्शों का पालन करने के लिए कहा। राष्ट्र निर्माण के अपने प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, पराजित ताकतों ने 15 अगस्त को नरसंहार किया, क्योंकि उन्होंने देखा कि बांग्लादेश को उसके आर्थिक विकास से नहीं रोका जा सकता। हमें इसे ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि 1971 की पराजित सेनाओं ने 15 अगस्त के नरसंहार से बदला लिया और उसके बाद बांग्लादेश के इतिहास को विकृत कर दिया, जिसमें उसके मुक्ति संग्राम भी शामिल थे। शेख मुजीब की हत्या के बाद सत्ता हथियाने वाले जियाउर रहमान और 1971 में मुक्ति संग्राम में उनकी भागीदारी के बारे में हसीना ने कहा कि ऐसा कोई उदाहरण नहीं है कि उन्होंने पाकिस्तानी सेना पर एक भी गोली चलाई हो, कोई भी इसे साबित नहीं कर सकता।

अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मान्यता देने का एकतरफा फैसला नहीं लेंगे: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने मंगलवार को कहा कि उनका देश अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मान्यता देने का एकतरफा फैसला नहीं लेगा। चौधरी ने अफगानिस्तान से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की पाकिस्तान की कोशिशों के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाए गए एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पाकिस्तान की नीति पूरी तरह से स्पष्ट रही है और वह एकतरफा निर्णय नहीं लेगा। नये अफगान शासन को मान्यता देने के निर्णय से पहले अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय दृष्टिकोण पर भी विचार किया जाएगा। तालिबान ने 15 अगस्त को अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके दो सप्ताह बाद 31 अगस्त को अमेरिका ने अपने सभी सैनिकों को वापस बुला लिया। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी को देश छोड़कर संयुक्त अरब अमीरात में शरण लेनी पड़ी। सूचना मंत्री ने कहा, ''पाकिस्तान ने लोगों को सुरक्षित वहां से निकालने की प्रक्रिया में काफी अहम भूमिका निभाई है। हम अफगानिस्तान से विदेशियों को सुरक्षित निकालने के लिए अधिकतम सहयोग दे रहे हैं और अब तक 10,302 विदेशियों को निकालने में मदद कर चुके हैं। उन्होंने कहा, यह एक प्रक्रिया है और हमें इंतजार करना चाहिए। नये अफगान अधिकारियों ने एक स्पष्ट रुख अपनाया है और हमें उम्मीद है कि वे किसी भी देश के खिलाफ अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल नहीं होने देंगे।

क्रांति समय | गुरुवार ,02 सितंबर-2021 | देश

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फीरोजाबाद में डेंगू बड़ी संख्या में मौतों के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ का कड़ा एक्शन, सीएमओ को पद से हटाया

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने फिरोजाबाद जिले में डेंगू के कारण 44 लोगों की मौत के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए बुधवार को जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी का तबादला कर दिया। शासन द्वारा जारी आदेश के मुताबिक फिरोजाबाद की मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीता कुलश्रेष्ठ को हटाकर अलीगढ़ के मलखान सिंह जिला अस्पताल में सीनियर कंसल्ट पद पर भेजा गया है। उनके स्थान पर हापुड़ के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दिनेश कुमार प्रेमी को फिरोजाबाद का नया मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है। हालांकि आदेश में नीता कुलश्रेष्ठ को हटाने का कारण नहीं बताया गया है। गौरतलब है कि फिरोजाबाद जिले में डेंगू के कारण अब तक 44 लोगों की मौत का मामला सामने आया है फिरोजाबाद सदर क्षेत्र से भाजपा विधायक मनीष असीजा के मुताबिक इस मच्छर जनित

बीमारी से जिले में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 44 हो गई है।

विधायक असीजा ने बताया कि सोमवार रात तीन लोगों तथा मंगलवार को दो लोगों की मौत के साथ जिले में डेंगू से मरने वालों की संख्या बढ़कर 44 हो गई है। हालांकि बुखार से हुई मौतों का असली आंकड़ा बताने से जहां प्रशासन कतरा रहा है, वहीं स्वास्थ्य विभाग भी कोई जानकारी देने में असमर्थता व्यक्त कर रहा है। विधायक ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में 25 जगह शिविर लगाकर डेंगू के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा किसी भी गंभीर रोगी को तत्काल मेडिकल कॉलेज के पीडियाट्रिक्स आइसोलेशन वार्ड में भेजने के लिए एंबुलेंस लगी हुई है। खून की जांच एवं 20000 से कम प्लेटलेट्स वालों को तत्काल प्लेटलेट्स उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिरोजाबाद का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के साथ ही मरीजों के परिजनों से भी मुलाकात की थी। बाद में उन्होंने इसे शासन स्तर पर मदद देकर नियंत्रित करने का ऐलान किया था।

गृह मंत्री अमित शाह दो सितंबर को कर्नाटक का दौरा करेंगे

बेंगलुरु।(एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बृहस्पतिवार को कर्नाटक का दौरा करेंगे और इस दौरान वह राज्य के दावणगेरे और हुबली में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दोपहर में हुबली हवाई अड्डा पहुंचने के बाद वह मुख्यमंत्री बसवराज एस बोम्मई के साथ हेलिकॉप्टर से दावणगेरे में जिला मुख्यालय जाएंगे। दावणगेरे में वह 'गांधी भवन' का उद्घाटन करेंगे और कोंडाज्जी बासप्पा संग्रहालय जाएंगे तथा वहां श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

बाद में वह दावणगेरे जिले के हरिहर तालुक के कोंडाज्जी में एक पुलिस पब्लिक स्कूल और दावणगेरे में जीएम इंस्टीट्यूट ऑफ

टेक्नोलॉजी (जीएमआईटी) के केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह हुबली लौटेंगे, जहां वह केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी की सबसे बड़ी बेटी अर्पिता व के. एस ऋषिकेश के विवाह समारोह में शिरकत करेंगे।

सार समाचार

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने राज्य खाद्य आयोग की वेबसाइट का शुभारम्भ किया

शिमला। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश राज्य खाद्य आयोग की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आज यहां आयोग की वेबसाइट का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वेबसाइट का उद्देश्य राज्य में खाद्य सुरक्षा अधिकार के बारे में जागरूकता लाना है। उन्होंने कहा कि आयोग ने खाद्य एवं पोषण नीति का प्रारूप भी तैयार किया है, जिसे वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा ताकि सभी हितधारकों को जागरूक करने के साथ-साथ उनसे प्रतिक्रिया भी ली जा सके। जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में बच्चों और महिलाओं में कुपोषण और अनीमिया की समस्या को दूर करने के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत और व्यापक खाद्य नीति प्रदेश को स्वस्थ हिमाचल के पथ पर आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होगी।

दिल्ली में 9 साल बाद फिर से एक होंगे तीनों एमसीडी, केन्द्र ने मांगी जानकारी

नई दिल्ली। दिल्ली के तीन नगर निगम की हालत को देखते हुए इसे एक बार फिर से एक करने पर विचार किया जा रहा है।सवाल यह भी है कि केंद्र सरकार इस विषय को लेकर कितनी गंभीर है? वहीं सूत्रों के मुताबिक, केन्द्र सरकार ने नगर निगम को लेकर जानकारियां मांगी है जिससे यह साबित होता है कि नगर निगम की एकीकरण को लेकर काम जारी है। बता दें कि अगर केन्द्र सरकार नगर निगम का एकीकरण करने पर विचार कर रही है तो सरकार को इसमें कई बदलाव भी करने होंगे। उत्तरी दिल्ली नगर निगम में हाल तक मेयर रहे जयप्रकाश के अनुसार, उन्होंने तीनों MCD को एक करने को लेकर बात की थी और एमसीडी के सभी मामलें केन्द्र के एक्ट के अंदर ही आते है। बताते चले की केन्द्र के पास पूरा अधिकार है कि वह तीन हिस्से में बंटे एमसीडी को लेकर कोई भी नियम जारी कर सकते है।

बीजेपी सरकार निजी कंपनियों को फायदा पहुचाने का काम कर रही है- पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सिंह सोलंकी

भोपाल। राजधानी भोपाल में कांग्रेस ने निजीकरण के खिलाफ बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सिंह सोलंकी ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री व्यापारी हो गया है। प्रदेश में बिजली संकट पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बिजली संकट को संभाल नहीं पा रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सिंह सोलंकी ने केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। भारत सिंह ने कहा कि सूबे की शिवराज सरकार बिजली संकट को संभाल नहीं पा रही है। और सरकारी कंपनी घाटे में और प्राइवेट फायदे में जा रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमारी सरकार मंदी के दौर में भी अर्थव्यवस्था को बचाए रखा। बीजेपी ने लोगों को गुमराह कर सत्ता हासिल की है। उन्होंने कहा कि सत्ता आने के बाद कुछ नहीं किया सिर्फ कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में राष्ट्रीय न्यास अधिनियम लागू करने को बैठक आयोजित

नई दिल्ली। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और कई विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय ट्रस्ट ने संघ के सरकारी अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, माता-पिता और पेशेवरों के साथ दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के क्षेत्र में राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999 के कार्यान्वयन के लिए एक बैठक आयोजित की। बैठक राष्ट्रीय न्यास की गतिविधियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए जागरूकता पैदा करने और सड़क विकसित करने के लिए आयोजित की गई। फारूक अहमद खान, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के सलाहकार, शीतल नंदा, सचिव, समाज कल्याण जम्मू-कश्मीर, अंजलि भवरा, सचिव, डीईपीडब्ल्यूडी और अध्यक्ष, नेशनल ट्रस्ट, किशोर सुरवड़े, डीडीजी, डीईपीडब्ल्यूडी, और निकुंजा किशोर सुंदरे, जेएस और सीईओ, नेशनल के साथ बैठक में डीएम और अन्य अधिकारियों सहित 167 लोगों के साथ ट्रस्ट ने भाग लिया। यूटी प्रशासन और नेशनल ट्रस्ट की पहल की सराहना करते हुए फारूक अहमद खान ने कहा कि नेशनल ट्रस्ट एक्ट के तहत दिव्यांगजनों को सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी लाभों में हमेशा प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सीएसआईआर-सीएमईआरआई बना रहा मैला ढोने की मशीनीकृत प्रणाली

नई दिल्ली। एक शीर्ष सरकारी शोध निकाय एक मशीनीकृत मैला ढोने की प्रणाली विकसित कर रहा है, जिसे भारतीय सीवरेज प्रणाली की विविध प्रकृति और इसके घुटन के तरीके के गहन अध्ययन के बाद शुरू किया गया था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएसआईआर-सीएमईआरआई (वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद - केंद्रीय यांत्रिक इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान) द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी डिजाइन में मॉड्यूलर है, ताकि स्थितिजन्य आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित तैनाती रणनीति सुनिश्चित की जा सके। यह प्रणाली संसाधनों के सतत उपयोग पर भी ध्यान केंद्रित करती है, अर्थात पानी, क्योंकि यह चोक सीवरेज सिस्टम से घोल को सोख लेता है और उसी के पर्याप्त निस्पंदन के बाद, सेल्फ प्रोपेलिंग नोजल (एसपीएन) का उपयोग करके चोकेज को साफ करने के लिए इसे पुनर्निर्देशित करता है।

यूपी की सभी 403 सीटों पर लड़ेगी आप, कोई गठबंधन नहीं

लखनऊ (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। पार्टी ने घोषणा की है कि वह 2022 के राज्य चुनाव में सभी 403 सीटों के लिए अपने उम्मीदवार उतारेगी। आप के उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे बूथ स्तर पर होने वाले चुनाव की तैयारियों में शामिल हों, ताकि आने वाले चुनाव पूरी ताकत से लड़ सकें। सिंह ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य के सभी 403 निर्वाचन क्षेत्रों में आप की तिरंगा संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। संजय सिंह ने कहा, इसके माध्यम से हम लोगों को बताना चाहते हैं कि असली राष्ट्रवाद क्या है। हमारा राष्ट्रवाद है कि हर गरीब बच्चे को पढ़ने के लिए बेहतर स्कूल मिले। दिल्ली की तरह उत्तर प्रदेश में भी बेहतर स्कूलों का सपना पूरा होना चाहिए। जैसे दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक, हर गांव में बेहतर अस्पताल या क्लीनिक हों। गरीबों के घरों में 300 यूनिट बिजली मुफ्त में मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप का राष्ट्रवाद है कि वे उत्तर प्रदेश के लोगों को अच्छा स्वास्थ्य और शिक्षा देंगे। उन्होंने कहा, हमारी श्मशान बनाने वाली विचारधारा नहीं है। भाजपा ने कोविड-19 महामारी के दौरान हर गांव में श्मशान घाट बनाए। 2017 में उन्होंने कहा था कि वे ऐसा करेंगे। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के तहत उत्तर प्रदेश में तिरंगे के गौरव को ठेस पहुंचाने वाली कई घटनाएं हुई हैं। उन्होंने राज्य में घोटाले की अनुमति देने के लिए भाजपा की भी आलोचना की।

राजनीति में रहने वाली महिला नेताओं को लेकर यति नरसिंहानंद ने की अश्लील टिप्पणी, दर्ज हुई 3 एफआईआर

लखनऊ।(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के डासना शिवशक्ति धाम मंदिर के पुजारी यति नरसिंहानंद सरस्वती अक्सर अपने विवादित बयानों के लिए ही चर्चा में रहते हैं। लेकिन इस बार महिलाओं पर दिए बयान की वजह से उनकी मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। यति नरसिंहानंद का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वो महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते नजर आ रहे हैं। जिसके बाद महंत नरसिंहानंद के खिलाफ यूपी के गाजियाबाद में तीन मुकदमे दर्ज किए गए हैं। हालांकि खुद को कानूनी पचड़ों में फंसता देख महंत ने वीडियो पर सफाई भी दी है। इसके साथ ही गाजियाबाद सदर के सीओ को पत्र लिखकर वीडियो से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है।

यति नरसिंहानंद सरस्वती किसी लाइव इंटरव्यू के लिए बैठे थे। इंटरव्यू

शुरू होने से पहले उन्होंने जो बोला, वह वहां खड़े किसी शख्स ने रिकॉर्ड कर लिया और वायरल कर दिया। वायरल वीडियो 4 जुलाई का बताया जा रहा है। वीडियो में नरसिंहानंद कहते हैं कि इसके बाद आई ईमानदार सरकार और बहुत चरित्रवान लोगों की सरकार। अब सरकारी ठेकों का रेट हो गया है 10 प्रतिशत. खुला रेट। बीजेपी में जितनी भी महिलाएं दिखाई दे रही हैं वो एक नेता के पास गईं और दूसरे के पास नहीं तो उनका काम नहीं होता। तीसरे से काम है तो तीसरे के पास जाना है। अब ये हैं ईमानदार और चरित्रवान लोग। ये है राजनीति। जितनी महिलाएं राजनीति करती घूमती हैं। पूरा मजा आ रहा है। मैं कह तो कुछ नहीं सकता। मातृशक्ति है, मैं मातृशक्ति को प्रणाम करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने सपा, बसपा को लेकर भी अपनी थ्योरी दी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार डकैतों की सरकार थी। वहां भी महिला किसी एक की ही होती थी। भले ही उस एक के पास कितनी भी औरतें क्यों न हो। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें यति नरसिंहानंद सरस्वती बीजेपी महिला नेताओं के बारे में बेहद आपत्तिजनक बातें करते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालात यहां तक पहुंच गए कि वीडियो को लेकर कभी उनके समर्थन में रहने वाले बीजेपी नेताओं ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल कार्रवाई की मांग कर डाली।

बद्रीनाथ मंदिर धाम को खोलने की मांग को लेकर मौनी बाबा ने किया आमरण अनशन

गोपेश्वर। (एजेंसी)।

बारहों माह साधना में रत रहने वाले मौनी बाबा के बदरीनाथ मंदिर को आमजन के दर्शन के लिए खोले जाने की मांग के समर्थन में बुधवार को आमरण अनशन पर बैठने से आंदोलन और तेज हो गया। बदरीनाथ यात्रा खोले जाने की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से बद्री संघर्ष समिति के नेतृत्व में स्थानीय व्यापारी, पंडा समाज, तीर्थ पुरोहित व अन्य स्थानीय लोग आंदोलनरत हैं और पिछले 12 दिनों से वे क्रमिक अनशन कर विरोध प्रकट कर रहे हैं। कोविड-19 के कारण बंद पड़ी चार धाम यात्रा शुरू किये जाने के लिए चारों धामों- बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में महीनों से आंदोलन चल रहा है।

बद्री संघर्ष समिति से जुड़े लोगों का कहना है कि अनशन के 12 दिन बीत जाने के बावजूद अब तक संबंधित पक्ष से कोई उनकी सुध लेने नहीं पहुंचा

जिससे आक्रोशित कई वर्षों से मौन व्रत साधना कर रहे मौनी बाबा के रूप में विख्यात धर्मराज भारती ने बुधवार से भोजन का त्याग कर आमरण अनशन शुरू कर दिया। आंदोलनकारी मौनी बाबा को तुलसी माला पहनाकर एक जुलूस की शक्ल मेंसाकेत तिराहे से लेकर उनके निवास स्थान पर पहुंचे जहां बाबा अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गए। मौनी बाबा ने कहा कि वह इससे पूर्व भी मई माह में 15 दिनों का आमरण अनशन कर चुके हैं जिसमें पहले उन्होंने भोजन और सात दिन बाद जल का भी त्याग कर दिया था।

तत्कालीन मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत के आग्रह पर उन्होंने अनशन तोड़ा था जिन्होंने उन्हें कुछ दिनों में ही सारी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर स्थानीय स्तर पर दर्शन की अनुमति लोगों को देने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि लेकिन आज दो महीने से अधिक समय होने के बाद भी लोगों को बदरीनाथ मंदिर के दर्शन से वंचित रखा गया है। मौनी बाबा ने कहा कि लोगों को दर्शन की अनुमति मिलने तक उनका अनशन जारी रहेगा और अगर इस अनशन के दौरान उन्हें शारीरिक तथा मानसिक रूप से कोई भी क्षति होती है तो इसके जिम्मेदार राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी होंगे। बद्री संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजेश मेहता ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार की ओर से चारधाम यात्रा शुरू करने के लिए तारीख पर तारीख बदली जा रही है लेकिन कपाट खुलने के चार माह से बाद भी अब तक सामान्य लोगों को दर्शन की सुविधा नहीं मिल पायी है।

शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान ने देश में विद्यालयों के खुलने की स्थिति की समीक्षा की

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान ने देशभर में विद्यालयों के खुलने की स्थिति और उनके कर्मियों को टीका लगाने के रोडमैप की बुधवार को समीक्षा की। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए राष्ट्रीय लॉकडाउन से पहले पिछले साल मार्च में विद्यालयों को बंद कर दिया गया था। केंद्र ने पिछले साल अक्टूबर में विद्यालयों को उनके राज्यों में कोविड-19 की स्थिति के अनुसार खोलने की अनुमति दी थी। कुछ राज्य आंशिक रूप से विद्यालय खोलने ही लगे थे कि इस साल अप्रैल में उन्हें पूरी तरह बंद कर दिया गया क्योंकि देश में कोविड -19 की दूसरी भयावह लहर आ गयी।

कोविड-19 की स्थिति में सुधार के साथ ही अब कई राज्यों ने विद्यालयों को खोलना शुरू कर दिया है। हालांकि शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों का पूरी तरह टीकाकरण नहीं होने को लेकर चिंता व्यक्त की गयी है। शिक्षा मंत्रालय ने ट्वीट किया, '' शिक्षा मंत्री श्री धमेंद्र प्रधान ने स्कूली शिक्षा एवं साहित्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देशभर में विद्यालयों के खुलने की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सितंबर तक विद्यालयों में सभी शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के टीकाकरण के रोडमैप का भी जायजा लिया। '' मंत्रालय ने कहा कि केंद्र देशभर में विद्यालयों में शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के टीकाकरण को प्राथमिकता दे रहा है ' ताकि विद्यालयों के खुलने के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित हो।

चिदंबरम ने चीन, पाक, तालिबान को लेकर सरकार को चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तालिबान द्वारा दोहा में भारत के साथ बातचीत शुरू करने के बाद, पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने बुधवार को अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर सरकार को आगाह किया है। चिदंबरम ने ट्वीट किया, सरकार अफगानिस्तान पर कल पारित यूएनएससी प्रस्ताव के लिए खुद को बधाई दे रही है। संकल्प के दो अर्थ हैं। पहला यह है कि इस मुद्दे को हल कर दिया गया है और भारत की संतुष्टि के लिए सुलझाया गया है। यूएनएससी में ऐसा नहीं हुआ है।

उन्होंने आगे कहा, दूसरा अर्थ यह है कि हमने अपनी इच्छाओं को कागज पर रख दिया है और कुछ अन्य लोगों को उस कागज पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा है, कल यूएनएससी में यही हुआ था। चिदंबरम ने सरकार को आगाह

करते हुए कहा कि खुद को बधाई देना जल्दबाजी होगी। चीन, पाकिस्तान और तालिबान के नियंत्रण वाले अफगानिस्तान की संभावित धुरी चिंता का कारण है। 30 अगस्त को, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान पर एक प्रस्ताव अपनाया, जिसका उद्देश्य किसी भी देश के खिलाफ आतंकवादी संगठनों द्वारा अफगान भूमि के उपयोग को रोकना है। प्रस्ताव को 13 मतों के साथ अपनाया गया जबकि रूस और चीन ने इससे परहेज किया।

इस बीच पहली बार भारत ने तालिबान के साथ हुई बैठक को सार्वजनिक किया है। सरकार ने कहा है कि कतर में भारत के राजदूत दीपक मित्तल ने दोहा में तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई से मुलाकात की। मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक तालिबान पक्ष के अनुरोध पर भारतीय दूतावास, दोहा में हुई। चर्चा अफगानिस्तान में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और शीघ्र वापसी पर केंद्रित थी।

राजदूत मित्तल ने चिंता जताई कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत विरोधी गतिविधियों और आतंकवाद के लिए नहीं किया जाना चाहिए। स्टैनेकजई ने राजदूत को आश्वासन दिया कि इन मुद्दों को सकारात्मक रूप से संबोधित किया जाएगा। 1982 में भारतीय सैन्य अकादमी में प्रशिक्षित, शेरू के रूप में जाने जाने वाले स्टेनकजई तालिबान शासन के दौरान उप स्वास्थ्य मंत्री के पद तक पहुंचे, और बाद में दोहा में एक मुख्य शांति वातार्कार के रूप में कार्य किया।

तमिलनाडु सरकार 24 सितंबर को कावेरी बैठक में मेकेदातु बांध वार्ता पर जताएगी आपत्ति

चेन्नई (एजेंसी)।

तमिलनाडु सरकार 24 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाली 14 वीं बैठक में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) द्वारा मेकेदातु बांध के मुद्दे को उठाए जाने के खिलाफ कड़ी आपत्ति दर्ज कराएगी। सीडब्ल्यूएमए की मंगलवार को हुई 13वीं बैठक में तमिलनाडु सरकार ने मेकेदातू बांध के मुद्दे को उठाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री, एस दुरईमुरुगन ने सीडब्ल्यूएमए को कड़े शब्दों में लिखे पत्र में कहा कि यह मामला विचाराधीन है और इसे चर्चा के लिए नहीं लिया जा सकता है। सीडब्ल्यूएमए प्रमुख एस.के. हलदर ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों के सामने स्वीकार किया था कि सीडब्ल्यूएमए की बैठक में मेकेदातु बांध का मुद्दा वास्तव में एक एजेंडा था। हालांकि, तमिलनाडु के कड़े विरोध के कारण मामला ठंडे बस्ते में चला गया। कावेरी-गुंटर नदी जोड़ने की परियोजना को भी कर्नाटक की ओर से आपत्ति के कारण रद्द कर दिया गया था। हालांकि तमिलनाडु इस पर चर्चा करना चाहता था। तमिलनाडु ने सीडब्ल्यूएमए की बैठक में प्रतिनिधित्व किया था कि कर्नाटक से पानी छोड़ने में कमी थी और राज्य को सितंबर में पानी की आवश्यकता है, क्योंकि इस महीने कुरुवई और सांबा की खेती हो रही थी। हालांकि, कर्नाटक ने तर्क दिया कि उन्होंने इस मुद्दे पर मेकेदातु बांध चर्चा के दौरान भी चर्चा की होगी, जिसे तमिलनाडु सरकार द्वारा आपत्ति के कारण अलग रखा गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक ही परिवार के तीन लोगों ने पेड पर फांसी लगाकर जान दे दी

क्रांति समय

नवसारी,जिले के मोलाआंबा गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों के पेड़ पर फांसी लगाकर जान देने की घटना से सनसनी फैल गई। बीमारी से परेशान होकर परिवार ने यह आत्मघाती कदम उठाया होने का प्राथमिक जांच में पता चला है। वांसदा पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक नवसारी जिले की वांसदा तहसील के मोलाआंबा गांव निवासी दंपत्ति के इकलौते पुत्र गंभीर बीमारी से पीड़ित था। पुत्र की बीमारी से दंपत्ति इतना परेशान हो गया कि आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। पुत्र समेत दंपत्ति ने गांव के एक पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला खत्म कर दी। खबर मिलते ही वांसदा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और पेड़ पर लटक रहे शवों को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए वांसदा कोटेज अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू की है। एक परिवार के तीन सदस्यों की सामूहिक आत्महत्या की घटना से समूचे गांव में शोक व्याप्त है।

पैतृक संपत्ति को लेकर भरतसिंह सोलंकी की बहन अलका पटेल ने भेजा नोटिस

क्रांति समय

अहमदाबाद,गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी को उनकी बहन अलका पटेल ने नोटिस भेजा है। अलका पटेल ने गांधीनगर स्थित अपने पिता स्व. माधवसिंह सोलंकी के बंगले पर अधिकार का दावा करते हुए उनकी मंजूरी के बगैर कोई करार या उसे बेचा गया तो कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। गौरतलब है गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री माधवसिंह सोलंकी का 9 जनवरी 2021 को निधन हो गया था। माधवसिंह सोलंकी के निधन के बाद गांधीनगर स्थित उनके बंगले को लेकर परिवार में विवाद शुरू हो गया है। स्व. माधवसिंह सोलंकी के बंगले को लेकर अलका पटेल ने अपने वकील के जरिए गांधीनगर के सेक्टर 19 स्थित पैतृक निवास को लेकर एक सार्वजनिक नोटिस जारी की थी। जिसमें पैतृक निवास में 3 भाई और 2 बहनों का हिस्सा होने का उल्लेख किया गया था। लेकिन अलका पटेल को हिस्सा दिए बगैर उसे बेचे जाने की खबर के बाद उन्होंने भरतसिंह सोलंकी को नोटिस भेजी है। नोटिस में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि मकान की खरीद-बिक्री में अलका पटेल का संपर्क किए बगैर करार या बेचे जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि गांधीनगर स्थित स्व. माधवसिंह सोलंकी की पांच संतानों में तीन बेटे भरतसिंह सोलंकी, अशोक सोलंकी, अतुल सोलंकी, दो बेटी वसुधा सोलंकी और अलका पटेल है। अलका पटेल का आरोप है कि उन्हें कोई जानकारी दिए बगैर बंगले का सौदा कर दिया गया है। इसकी भनक लगते ही अलका पटेल ने नोटिस जारी कर ऐसी किसी प्रक्रिया खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

नवासरी दशेरा टेकरी होड़ी महोल्ला में दो गुटों के बीच में मारा-मारी

कई स्त्री-पुरुष के सिर पर लगी चोट एक-दूसरे के विरुद्ध में थाने में फरियाद किया -जन्माष्टमी के दिन भी हुआ था बवाल किये था समाधान

राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत राज्यभर में एक महीने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

क्रांति समय

गांधीनगर,देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गर्भवती महिला, बच्चों और किशोरियों को पोषणयुक्त आहार मिले और कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रव्यापी पोषण अभियान शुरू किया है। इसके अंतर्गत सितंबर महीने ''पोषण मास'' के तौर पर मनाया जाएगा। राज्यभर में इस महीने के चार सप्ताह के दौरान विभिन्न थीम आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। महिला एवं बाल आयुक्त केके निराला के मुताबिक पोषण अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रति वर्ष सितंबर महीने में जन आंदोलन के लिए राष्ट्रीय पोषण मास एवं मार्च महीने में पोषण पखवाडिया मनाया जाता है। इसके अंतर्गत गुजरात में जन आंदोलन के जरिए इन कार्यक्रमों आयोजित किए जाएंगे। सितंबर 2021 में पोषण मास की साप्ताहिक थीम आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसके पहले सप्ताह के दौरान पोषण वाटिका संदर्भ में आंगनवाडी केन्द्र, स्कूल, पंचायत और सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण के कार्यक्रम होंगे। राज्य के 33 जिलों की 11000आंगनवाडी केन्द्र जहां कंपाउंड वॉल, पानी की सुविधा और जमीन उपलब्ध है ऐसी जगहों में वन विभाग, बागायत विभाग और जनभागीदारी से 35 लाख से अधिक पौध लगाए जाएंगे। इसके लिए राज्य के वन विभाग, ग्राम विकास विभाग, गुजरात लाइवली हुड प्रमोशन कंपनी के सहयोग से पोषण मास के दौरान अधिकतम न्यूट्री गार्डन का निर्माण का बड़े पैमाने पर आयोजन किया गया है।

गर्भवती महिला, बच्चों और किशोरियों को पोषण के प्रति जागृति बढ़ाने के उद्देश्य से दूसरे सप्ताह में योग और आयुष विभाग द्वारा सामूहिकयोग कार्यक्रमों के जरिए कुपोषण की रोकथाम के प्रयास किए जाएंगे। तीसरे सप्ताह में राज्य के अति कुपोषित जिलों में आंगनवाडी केन्द्रों के लाभार्थियों में न्यूट्रीशन किट का वितरण किया जाएगा। जबकि चौथे सप्ताह में विभिन्न जिलों में अति कुपोषित बच्चों को खोजकर न्यूट्रीशन आहार उपलब्ध कराया जाएगा। पोषण के बारे में जागृति के उद्देश्य से सोशल मीडिया समेत विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लाभार्थियों को जागृत किए जाएंगे। सभी कार्यक्रम कोविड-19 मार्गदर्शिका के कड़ाई से पालन के साथ आयोजित किए जाएंगे।

सूरत में वड़ताल अनुमंडल के स्वामीनारायण मंदिर के स्वामी पर हमला, मंदिर में तोड़फोड़ व चोरी के आरोप में 24 हरिभक्तों के खिलाफ अपराध दर्ज

क्रांति समय

सूरत के मोटा वराछा में राजहंस टावर के सामने वड़ताल तबा के स्वामीनारायण मंदिर में पिछले डेढ़ महीने से स्वामी को कुछ हरिभक्त परेशान कर रहे थे। हरिभक्त स्वामी की पिटाई के साथ-साथ मंदिर में चल रही पूजा, गृह-हवन में विघ्न डाल रहे थे। इतना ही नहीं, वह प्रभु को एल्फेल शब्द देकर धार्मिक भावनाओं को आहत कर रहा था। डेढ़ महीने की पुलिस गश्त के बाद पुरुष हरिभक्त महिला हरिभक्तों के साथ मंदिर में तोड़फोड़ और चोरी कर रहे हैं।

वड़ताल के लक्ष्मीदेव नारायण ट्रस्ट के विलय के विरोध में हरिभक्तों ने अमरोली पुलिस ने कहा कि 2011 में यहां मोटा वराछा लाजमणि चौक के पास राजहंस टावर के सामने स्वामीनारायण मंदिर निवासी निर्दोषचरणदासजी गुरुस्वामी लक्ष्मी प्रसाद दासजी स्वामी आए थे. उन्होंने 2011 से 2014 की अवधि के दौरान हरिभक्तों के छोटे और बड़े दान के साथ मंदिर की स्थापना के लिए कड़ी मेहनत की और 2014 में मंदिर में एक विलेख किया गया। जिसमें उस समय लिखा था कि भविष्य में इस मंदिर का लक्ष्मीदेव नारायण ट्रस्ट वड़ताल में विलय कर दिया जाएगा। वड़ताल में लक्ष्मीदेव नारायण ट्रस्ट के साथ वर्तमान में मंदिर का विलय कर रहे 50 हरिभक्तों ने विरोध किया कि मंदिर को इसके प्रशासन के अधीन रहना चाहिए। जबकि 5000 से अधिक हरिभक्त सहमत थे।

24 स्योटिंगा संतों के खिलाफ और सभी हरिभक्त और चोरी के बाहर अपराध

50 हीराभक्तियो के पिछले डेढ़ महीने से विरोध प्रदर्शनों के मालिक हैरी एनकेना के मालिक थे। हालांकि, स्वामी द्वारा पुलिस को सूचित करने के बाद पुलिस द्वारा व्यवस्था की गई। लेकिन तब पुरुष हरिभक्त महिला हरिभक्तों को आगे बढ़ा कर मंदिर में स्वामी को परेशान करते थे। महिलाओं हरिभक्तों ने स्वामी की पूजा, होम-हवन को बाधित किया और यहां तक कि उन्हें मार डाला। इसके अलावा वे स्वामी पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाकर मंदिर में तोड़फोड़ कर रहे थे। उसने कुछ सामान भी चुरा लिया। तो, आखिरकार, स्वामी की शिकायत के बाद, पुलिस ने 24 हरिभक्तों के खिलाफ दंगा और चोरी का मामला दर्ज किया और पीएसआई एके कुवाड़िया, जो अमरोली में ड्यूटी पर हैं, ने आगे की कार्रवाई की है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह विवाद पिछले डेढ़ महीने से चल रहा है । हालाँकि, बाद में पुरुष हरिभक्तों ने महिला हरिभक्तों को उकसाया और स्वामी को यह कहकर परेशान किया कि पुलिस महिलाओं के साथ कुछ नहीं करेगी और उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसलिए अंततः पुलिस को हरिभक्तों के खिलाफ कानूनी अपराध दर्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इन लोगों के खिलाफ अपराध

सू फचारिया ,धीरूरबारिका ,भद्रेश गजेरा
भीखू गेवरिया (राहे-शिवपाक मोटा वराछा)
प्रवीण देसाई (२-शांतिनिकेतन फ्लोरा मोटा वराछा)
जगदीश अंबर्दी (राहे-विश्वनाथ सोसायटी मोटा वराछा)
चतुर पिठवाड़ी (रेह-कृष्णकुंज सोसायटी सीमादा नाका)
चिमन दातारदी (राहे रविदर्शन सोसायटी सरथाना)
भौनिका भानुभाई (राहे-रॉयल रेस। मोटा वराछा)
धारा उमेशभाई (निवास - शिवपार्क बंगले मोटा वराछा)
रसीला भद्रेशभाई (सिद्धेश्वर कॉम्प्लेक्स, मोटा वराछा में रहते हैं)
लीला बावचंदभाई (रेह-सागर रो-हाउस मोटा वराछा)
गीता राजूभाई (राहे-सौराष्ट्र टाउनशिप मोटा वराछा)
रमीला शेल्डिया (निवास- मोमाई कॉम्प्लेक्स), शिल्पा हसमुखभाई
अनुसूया अमरेली (राहे-भक्तिनंदन सोसाइटी सेक्टर-२ मोटा वराछा)
धर्मिष्ठा खुंट (रहे-विश्वनाथ सोसायटी मोटा वराछा)
चंद्रिका रसिकभाई(राहे राधेश्याम सोसाइटी मोटा वराछा)
अरुणा रजनी (राहे-स्नेहासागर सोसाइटी मोटा वराछा)
रमाबेन (राहे-तपीदर्शन सोसायटी नाना वराछा)
अस्मिता धनानी (राहे रामकृष्ण सोसाइटी मोटा वराछा)
भानुबेन रबारिका (निवास - ऋषि बंगले मोटा वराछा)
शारदा फचरिया (राहे-साई बंगले मोटा वराछा)
शारदा भूपतभाई (राहे-श्रीनाथजी बंगले मोटा वराछा)

राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत राज्यभर में एक महीने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

क्रांति समय

गांधीनगर,देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गर्भवती महिला, बच्चों और किशोरियों को पोषणयुक्त आहार मिले और कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रव्यापी पोषण अभियान शुरू किया है। इसके अंतर्गत सितंबर महीने ''पोषण मास'' के तौर पर मनाया जाएगा। राज्यभर में इस महीने के चार सप्ताह के दौरान विभिन्न थीम आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। महिला एवं बाल आयुक्त केके निराला के मुताबिक पोषण अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रति वर्ष सितंबर महीने में जन आंदोलन के लिए राष्ट्रीय पोषण मास एवं मार्च महीने में पोषण पखवाडिया मनाया जाता है। इसके अंतर्गत गुजरात में जन आंदोलन के जरिए इन कार्यक्रमों आयोजित किए जाएंगे। सितंबर 2021 में पोषण मास की साप्ताहिक थीम आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसके पहले सप्ताह के दौरान पोषण वाटिका संदर्भ में आंगनवाडी केन्द्र, स्कूल, पंचायत और सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण के कार्यक्रम होंगे। राज्य के 33 जिलों की 11000आंगनवाडी केन्द्र जहां कंपाउंड वॉल, पानी की सुविधा और जमीन उपलब्ध है ऐसी जगहों में वन विभाग, बागायत विभाग और जनभागीदारी से 35 लाख से अधिक पौध लगाए जाएंगे। इसके लिए राज्य के वन विभाग, ग्राम विकास विभाग, गुजरात लाइवली हुड प्रमोशन कंपनी के सहयोग से पोषण मास के दौरान अधिकतम न्यूट्री गार्डन का निर्माण का बड़े पैमाने पर आयोजन किया गया है। गर्भवती महिला, बच्चों और किशोरियों को पोषण के प्रति जागृति बढ़ाने के उद्देश्य से दूसरे सप्ताह में योग और आयुष विभाग द्वारा सामूहिकयोग कार्यक्रमों के जरिए कुपोषण की रोकथाम के प्रयास किए जाएंगे। तीसरे सप्ताह में राज्य के अति कुपोषित जिलों में आंगनवाडी केन्द्रों के लाभार्थियों में न्यूट्रीशन किट का वितरण किया जाएगा। जबकि चौथे सप्ताह में विभिन्न जिलों में अति कुपोषित बच्चों को खोजकर न्यूट्रीशन आहार उपलब्ध कराया जाएगा। पोषण के बारे में जागृति के उद्देश्य से सोशल मीडिया समेत विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लाभार्थियों को जागृत किए जाएंगे। सभी कार्यक्रम कोविड-19 मार्गदर्शिका के कड़ाई से पालन के साथ आयोजित किए जाएंगे।

POSHAN Abhiyaan
PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment
सही पोषण - देश रोशन

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com